संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक दैनन्दिनी.

■ वर्ष -17 ■ अंक-136 ■ रायपुर, मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित ■ CHHHIN/2010/34274 पृष्ठ 8 ■ मूल्य-2.00 रुपये

आज का पंचांग



वारः मंगलवार
तिथिः आश्विन शुक्ल तृतीया
पक्षः आश्विन पक्ष
मासः आश्विन (शुक्ल पक्ष)
ऋतुः शरद ऋतु
विक्रम संवतः 2083
शक संवतः 1948
नक्षत्र : योग और करण
नक्षत्रः विशाखा
योगः प्रीति
करणः तैतिल
चन्द्र राशिः तुला राशि में
सूर्य राशिः कन्या राशि में
पंचकः आज पंचक नहीं है।
अभिजीत मुहूर्तः दोपहर 12:01 से 12:48 तक।

नर्मदा में डूबने से गाजियाबाद के दो युवकों की मौत

खंडवा। मध्य प्रदेश के खंडवा जिले की तीर्थनगरी ओंकारेश्वर में नर्मदा नदी में डूबने से उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद निवासी दो युवकों की मौत हो गई। हादसा गोमुख घाट पर हुआ, जहां नहाते समय पैर फिसलने से दोनों युवक गहरे पानी में चले गए। घटना के बाद घाट पर हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और युवकों को बचाने के लिए गोताखोरों को तत्काल रेस्क्यू के निर्देश दिए गए। मृतकों की पहचान सौरभ और अमन के रूप में हुई है। दोनों उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद के रहने वाले थे। इसके पहले ओंकारेश्वर में गोमुख घाट के सामने नर्मदा नदी में चलती नाव के इंजन में अचानक भीषण आग लग गई। नाव में आग की लपटें उठते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। जानकारी के अनुसार दोनों युवक ओंकारेश्वर के गोमुख घाट पर नर्मदा नदी में नहा रहे थे। इसी दौरान अचानक पैर फिसलने से वे गहरे पानी में चले गए और डूबने लगे।

जम्मू कश्मीर में घुसपैठ की कोशिश नाकाम

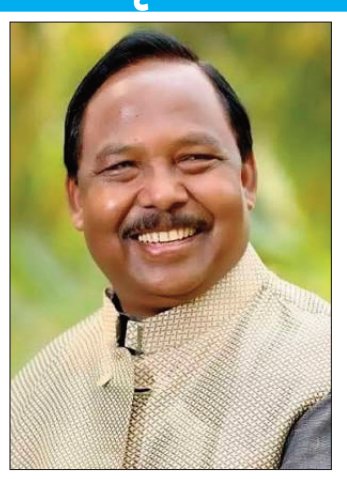
LoC के पास धमाके में 4 आतंकी मारे गए

पुंछः जम्मू कश्मीर के पुंछ से एक बड़ी खबर सामने आ रही है। LoC के पास घुसपैठ की कोशिश के दौरान एक जबरदस्त धमाका हुआ है, जिसमें कम से कम 4 आतंकवादी मारे गए हैं। मिली जानकारी के मुताबिक, आतंकवादियों का यह गुट आज देर दोपहर कृष्णा घाटी (KG) सेक्टर के नंगी टकरी इलाके में इस तरफ घुसने की कोशिश कर रहा था, तभी वे बारूदी सुरंग (माइनफ़ील्ड) की चपेट में आ गए। इस जबरदस्त धमाके में चारों आतंकवादी मौके पर ही मारे गए।

प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के उत्कृष्ट क्रियान्वयन में दंतेवाड़ा ने रचा इतिहास, राष्ट्रीय स्तर पर मिला 'सर्वश्रेष्ठ जिला' पुरस्कार

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने दी बधाई, कहा-यह छत्तीसगढ़ के अन्नदाताओं और सुशासन की बड़ी उपलब्धि







रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ ने कृषि विकास, किसान कल्याण और ग्रामीण समृद्धि के क्षेत्र में राष्ट्रीय स्तर पर एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के उत्कृष्ट एवं प्रभावी क्रियान्वयन के लिए दक्षिण बस्तर दंतेवाड़ा जिले को देशभर में 'सर्वश्रेष्ठ जिला' के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह उपलब्धि राज्य सरकार की किसान हितैषी नीतियों, कृषि क्षेत्र में नवाचार, प्रभावी प्रशासनिक नेतृत्व और मैदानी स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का महत्वपूर्ण परिणाम है।

नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कृषि सम्मेलन एवं पुरस्कार वितरण समारोह में केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने दंतेवाड़ा जिले को यह प्रतिष्ठित सम्मान प्रदान किया। जिले की ओर से कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव और उप संचालक कृषि श्री सूरज कुमार पंसारी ने संयुक्त रूप से पुरस्कार ग्रहण किया।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने इस गौरवपूर्ण उपलब्धि पर दंतेवाड़ा जिले के किसानों, जिला प्रशासन और कृषि विभाग के अधिकारियों-कर्मचारियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह सम्मान छत्तीसगढ़ के मेहनतकश अन्नदाताओं के परिश्रम, शासन की किसान कल्याणकारी नीतियों और प्रशासनिक प्रतिबद्धता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के संकल्प के अनुरूप कृषि को आधुनिक, लाभकारी और समृद्धि का आधार बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है। विशेष रूप से बस्तर जैसे आदिवासी बहुल अंचल में कृषि विकास की यह उपलब्धि पूरे प्रदेश के लिए गौरव का विषय है।

कृषि विकास एवं किसान कल्याण मंत्री श्री रामविचार नेताम ने दंतेवाड़ा जिले को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए किसानों एवं कृषि विभाग की पूरी टीम को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि उत्पादकता में वृद्धि, उन्नत कृषि तकनीकों के विस्तार और परंपरागत खेती को आधुनिक संसाधनों से जोड़ने के लिए प्रतिबद्ध है। दंतेवाड़ा की यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि सुनियोजित प्रयासों, विभागीय समन्वय और किसानों की सक्रिय सहभागिता से वनांचल एवं आदिवासी क्षेत्रों में भी कृषि विकास के नए कीर्तिमान स्थापित किए जा सकते हैं।

प्रदेश में कृषि योजनाओं के प्रभावी संचालन, नियमित समीक्षा और विभागीय समन्वय को सुदृढ़ बनाने में कृषि उत्पादन आयुक्त एवं सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी के कुशल प्रशासनिक नेतृत्व की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उनके मार्गदर्शन में कृषि विभाग द्वारा योजनाओं के परिणामोन्मुख क्रियान्वयन, नवाचारों को प्रोत्साहन तथा अंतिम छोर के किसानों तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। दंतेवाड़ा जिले की यह उपलब्धि राज्य स्तर पर प्रभावी प्रशासनिक मार्गदर्शन और जिला स्तर पर योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का उदाहरण है।

प्रधानमंत्री कृषि धन-धान्य योजना के अंतर्गत दंतेवाड़ा जिले में दूरस्थ वनांचल ग्रामों के लघु एवं सीमांत किसानों तक कृषि योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए विशेष प्रयास किए गए। जिले में पारंपरिक कृषि पद्धतियों के साथ आधुनिक तकनीकों का समन्वय, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक एवं प्राकृतिक खेती को प्रोत्साहन तथा कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कार्य किया गया।

जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में कृषि, उद्यानिकी, पंचायत एवं ग्रामीण विकास सहित विभिन्न विभागों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर क्लस्टर आधारित गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया। इसके साथ ही कृषि उत्पादों के मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और बाजार से जुड़ाव को प्रोत्साहित करने के प्रयासों ने किसानों के आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त करने के बाद कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव ने इस उपलब्धि का श्रेय जिले के मेहनती किसानों, कृषि विभाग के मैदानी अमले और विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन आधुनिक कृषि तकनीकों, प्राकृतिक खेती और कृषकों की आजीविका संवर्धन के लिए निरंतर प्रतिबद्ध रहेगा।

दंतेवाड़ा जिले को मिला यह राष्ट्रीय सम्मान न केवल बस्तर अंचल, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि है। यह सफलता प्रदेश के अन्य जिलों के लिए भी प्रेरणादायी है तथा कृषि विकास, किसान सशक्तिकरण और आत्मनिर्भर ग्रामीण अर्थव्यवस्था के निर्माण की दिशा में छत्तीसगढ़ की बढ़ती प्रतिबद्धता को रेखांकित करती है।

आदित्य ठाकरे और अमित ठाकरे समेत 25 पर एफआईआर दर्ज

मुंबई। पुलिस ने शिवाजी पार्क पुलिस स्टेशन के बाहर गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा होने के आरोप में शिवसेना UBT नेता आदित्य ठाकरे और MNS नेता अमित ठाकरे समेत 25 लोगों पर FIR दर्ज की है। यह प्रदर्शन चुनावी मतदाता सूची में कथित गड़बड़ियों के खिलाफ आवाज उठाने और हिरासत में लिए गए प्रदर्शनकारियों की रिहाई की मांग को लेकर किया गया था। मुंबई पुलिस ने 11 अक्टूबर को हुए एक विरोध प्रदर्शन के सिलसिले में शिवसेना नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना नेता अमित ठाकरे समेत 25 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन पर गैर-कानूनी तरीके से इकट्ठा होने और सार्वजनिक व्यवस्था से जुड़े नियमों का उल्लंघन करने के आरोप हैं। FIR में नामजद अन्य प्रमुख लोगों में MNS नेता संदीप देशपांडे और शिवसेना नेता वरुण सरदेसाई व महेश सावंत शामिल हैं।

फॉर्म-6 पर सुप्रीम कोर्ट ने स्थिति की साफ *न तो मंजूरी दी और न ही अस्वीकार किया*

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि उसने निर्वाचन आयोग के नए फॉर्म 6 की वैधता पर कोई फैसला नहीं दिया है। शीर्ष अदालत ने कहा कि उसकी पिछली टिप्पणियों को बदले हुए फॉर्म की न्यायिक मंजूरी न समझा जाए। अब यह मामला संज्ञान में आने के बाद अदालत इसकी जांच करेगी, जिसकी सुनवाई 27 अक्टूबर को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को साफ़ किया कि उसने भारत निर्वाचन आयोग (ECI) के नए फॉर्म 6 की वैधता पर कभी कोई फ़ैसला नहीं दिया है। कोर्ट ने इस बात पर ज़ोर दिया कि जब उसने इस साल की शुरुआत में बिहार में वोटर लिस्ट के 'स्पेशल इंटेंसिव रिविज़न' (SIR) की समीक्षा की थी, तब इसका बदला हुआ वर्शन मौजूद ही नहीं था। यह स्पष्टीकरण उस विवाद के बीच अहम हो जाता है जिसमें ECI का दावा है कि सुप्रीम कोर्ट ने SIR प्रक्रिया के लिए 'फॉर्म 6' के साथ जोड़े गए घोषणा-पत्र को सही ठहराया था। कोर्ट ने कहा कि उसकी पिछली टिप्पणियों को किसी बदले हुए फॉर्म की न्यायिक मंजूरी या उसे खारिज करने के तौर पर नहीं देखा जा सकता, और मामला संज्ञान में आने के बाद उसने इस मुद्दे की जांच करने पर सहमति जताई।

दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब नहीं हो सकेंगे प्रोटेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली के जंतर-मंतर पर अब प्रोटेस्ट नहीं हो सकेंगे। दिल्ली में प्रदर्शन और धरना करने के लिए 3 नए स्थान तय किए गए हैं। दिल्ली पुलिस ने इस संबंध में नया आदेश जारी किया है। इसके तहत रामलीला मैदान, बुराड़ी मैदान और पूर्वी दिल्ली के CBD ग्राउंड को प्रदर्शन और रैली करने के लिए तय किया गया है।

दिल्ली पुलिस के आदेश के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्रालय ने प्रदर्शन करने के लिए बेहतर जगहों की पहचान करने के लिए एक कमेटी बनाई थी। इस कमेटी को यह देखना था कि लोगों को अपनी मांग उठाने और विरोध जताने के लिए मौजूदा जगहों के अलावा दूसरी जगहें कैसे दी जा सकती हैं। कमेटी की सिफारिशों के आधार पर जंतर-मंतर के अलावा इन तीन स्थानों को प्रदर्शन के लिए तय किया गया है। पुलिस कमिश्नर अनुराग कुमार की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि इन तीनों जगहों पर प्रदर्शन करने के लिए नियमों और व्यवस्था से जुड़ा अलग आदेश भी जारी किया जाएगा।

स्कूल बस पलटी, कई छात्रों को आईं चोटें



कवर्धा ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में बच्चों से भरी स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। दामापुर-कापादाह के पास सनराइज पब्लिक स्कूल की बस पलटने से हड़कंप मच गया। हादसे के बाद बस में सवार बच्चों को डायल 112 की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया, जहां पंडरिया सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उनका इलाज जारी है। चिकित्सकों के मुताबिक, बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। राहत की बात यह है कि फिलहाल किसी भी बच्चे को गंभीर चोट लगने की सूचना नहीं है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, बस का स्टेयरिंग जाम होने के कारण यह हादसा हुआ। हालांकि, दुर्घटना के वास्तविक कारणों की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी।

हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और तत्परता दिखाते हुए राहत कार्य में सहयोग किया। बच्चों के परिजनों को भी घटना की सूचना दे दी गई है। स्कूल बस में बच्चों के सवार होने के दौरान हुए इस हादसे ने उनकी सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल घायल बच्चों का अस्पताल में इलाज जारी है।

नक्सली डंप से भारी मात्रा में ऑटोमैटिक हथियार और विस्फोटक सामग्री बरामद

सुकमा ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में सुरक्षा बलों को बड़ी सफलता मिली है। जिले के दुर्गम जंगलों में चलाए गए अभियान के दौरान नक्सलियों द्वारा छिपाकर रखे गए डम्प से भारी मात्रा में ऑटोमैटिक हथियार, राउंड और विस्फोटक सामग्री बरामद की गई है। जब्त सामग्री में बीजीएल सेल, तीर बम और वायरलेस सेट सहित अन्य सामान शामिल हैं।



जानकारी के अनुसार, आत्मसमर्पित नक्सलियों से मिली खुफिया जानकारी के आधार पर सुरक्षा बलों ने यह अभियान चलाया। 12 अक्टूबर को किस्टाराम थाना क्षेत्र के पालाचलमा जंगल में कार्रवाई के दौरान नक्सलियों के छिपाए गए हथियारों और विस्फोटक सामग्री का डम्प बरामद किया गया। यह कार्रवाई सुकमा एसपी मयंक गुर्जर और एएसपी रोहित शाह के मार्गदर्शन में चलाए गए संयुक्त अभियान के तहत की गई। दुर्गम जंगलों में तलाशी अभियान के दौरान सुरक्षा बलों को यह महत्वपूर्ण सफलता मिली।

सुकमा जिले में नक्सलवाद पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए सुरक्षा बल लगातार अभियान चला रहे हैं। इन कार्रवाइयों का उद्देश्य नक्सलियों के हथियारों और विस्फोटक सामग्री के नेटवर्क को कमजोर करना तथा क्षेत्र में शांति, सुरक्षा और विकास को मजबूत करना है।

विपक्ष ने सीईसी ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की

राहुल गांधी समेत 11 नेताओं की सुप्रीम कोर्ट में याचिका पर सुनवाई आज

नई दिल्ली ■ एजेंसी

लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और INDIA ब्लॉक के अन्य नेताओं ने सोमवार को मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के खिलाफ और कथित 'वोट चोरी' के मुद्दे पर दिल्ली में मार्च निकाला। सैकड़ों समर्थकों और कार्यकर्ताओं के साथ निकले विपक्षी नेताओं ने निर्वाचन आयोग पर मतदाताओं के नाम बड़े पैमाने पर हटाने और चुनावी प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप लगाए। इस मामले में राहुल गांधी समेत विपक्ष के कई नेताओं ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

कांग्रेस पार्टी की लीगल टीम ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की। इसमें कुल 11



पिटीशनर्स हैं, जिसमें राहुल गांधी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के अलावा इस याचिका में सौगत राय, अखिलेश यादव, तेजस्वी प्रसाद यादव , संजय राउत , एम.ए. बेबी , डी. राजा , महुआ माजी, सुप्रिया सुले और ई.टी. मोहम्मद बशीर शामिल हैं। खास बात ये है कि आम आदमी पार्टी की तरफ से इस पिटीशन में कोई नहीं है। वहीं, इस याचिका में इलेक्शन कमीशन ऑफ इंडिया, ज्ञानेश कुमार और सुखबीर सिंह संधू को रेस्पॉन्डेंट बनाया गया है। सुप्रीम कोर्ट ने राहुल गांधी की याचिका पर सोमवार को ही प्रक्रिया पूरी करने का निर्देश रजिस्ट्री को दिया है। अदालत ने कहा कि याचिका में मौजूद खामियों को दूर किया जाए, ताकि मामले को मंगलवार को सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया जा सके। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ मंगलवार को इस मामले की सुनवाई करेगी। इससे पहले मुख्य न्यायाधीश ने संकेत दिया था कि सोमवार शाम तक याचिका दाखिल होने पर मामले को अगले दिन सुनवाई के लिए लिया जा सकता है। याचिका में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (SIR) के दौरान बड़े पैमाने पर मतदाताओं के नाम हटाए जाने और अनियमितताओं का मुद्दा उठाया गया है। विपक्ष ने SIR की प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग की है।

संविधान क्लब से निकला 'मार्च फॉर डेमोक्रेसी'

विपक्षी नेताओं ने अपने मार्च को 'मार्च फॉर डेमोक्रेसी' नाम दिया। राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे के नेतृत्व में निकले इस मार्च में कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, शशि थरूर, सचिन पायलट और मुकुल वासनिक के अलावा तृणमूल कांग्रेस की सागरिका घोष भी शामिल हुईं।

हाइवे पर दर्दनाक हादसा : बाइक सवार माता-पिता और बेटे की मौत

जशपुर. छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले में तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला है. दर्दनाक सड़क दुर्घटना ने एक ही परिवार के तीन लोगों की जान ले ली. बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे माता-पिता और बेटे की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि अज्ञात वाहन की टक्कर से हादसा हुआ है.जानकारी के मुताबिक, घटना बगीचा-बतौली स्टेट हाइवे पर बगीचा थाना क्षेत्र में रविवार देर रात को हुई. परिवार बाइक पर सवार होकर सरडीह से अपने गांव सामरबार लौट रहे थे. इस बीच अज्ञात वाहन काल बनकर दौड़ा. मैनी चौक के पास उनसे बाइक को टक्कर मार दी. तीनों सड़क पर बुरी तरह जा गिरे. हादसा इतना भीषण था कि तीनों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया. लापरवाह वाहन चालक ने घटना के बाद घायलों की मदद के बजाए उन्हें तड़तपते हुए मरने के लिए छोड़कर फरार हो गया.राहगिरों की सूचना पर पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची. शव का पंचनामा के बाद उन्हें पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है. बाइक बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है. इससे प्रथम दृश्टया मामला अज्ञात वाहन की टक्कर से होना प्रतीत हो रहा है.

'अंत से आरंभ तक', फिर सिनेमाघरों में दहाड़ने की तैयारी में जुटे सनी देओल, 'सूर्या' से दमदार लुक जारी

मुंबई (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेता सनी देओल बॉक्स ऑफिस पर फिर कब्जा जमाने की तैयारी में जुट गए हैं। उनकी अपकमिंग फिल्म से उनका पहला लुक जारी कर दिया गया है। सोमवार को सनी देओल ने खुद अपने इंस्टाग्राम पर एक अपनी अपकमिंग फिल्म का फर्स्ट मोशन पोस्टर शेयर किया, जिसे देखने के बाद अभिनेता के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं है। इस मोशन पोस्टर में सनी देओल बेहद दमदार लुक में नजर आ रहे हैं। इस फिल्म का नाम 'सूर्याः अंत से आरंभ तक' है, जो इसी साल सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मेकर्स ने मोशन पोस्टर के साथ ही फिल्म की रिलीज डेट का भी ऐलान कर दिया है। ये फिल्म 20 नवंबर 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

'सूर्याः अंत से आरंभ तक' का मोशन पोस्टर रिलीज

'सूर्या' के मोशन पोस्टर में सनी देओल व्हाइट टी-शर्ट में गंभीर लुक में दिखाई दे रहे हैं। उनकी नजरें झुकी हैं, लेकिन चेहरे पर इंटेंस इमोशन देखने को मिल रहे हैं और सिगरेट पीते नजर आ रहे हैं। बढ़ी हुई दाढ़ी और चेहरे पर रौब उनके लुक को और किलर बना रहा है। वीडियो में बताया गया है कि इस अपकमिंग क्राइम-थ्रिलर में सनी देओल का किरदार अतीत और वर्तमान में उलझा हुआ होगा। फिल्म को लेकर मेकर्स ने अन्य डिटेल तो साझा नहीं की है, लेकिन दर्शक सनी देओल के धांसू लुक को देखकर जरूर इंप्रेस हैं। यूजर्स ने पोस्टर देखते ही मान लिया है कि ये फिल्म काफी पावरफुल होने वाला है।



सूर्या का पोस्टर देख इंप्रेस हुए फैन

'सूर्या' से सनी देओल का लुक जारी होते ही उनके फैंस और फॉलोअर्स ने इस पर प्रतिक्रिया देना शुरू कर दिया है। एक ने कमेंट करते हुए लिखा- 'सनी बिलकुल किसी इंटरनेशनल हीरो जैसे लग रहे हैं।' एक ने लिखा- 'सनी पाजी, बेहद जबरदस्त लुक, हम आपकी फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। तुस्सी ग्रेट हो पाजी, लव यू सर।' एक और लिखता है - 'उम्मीद है ये 'बटवारा 1947' जैसी नहीं होगी।' एक ने लिखा- 'इसमें सनी देओल बहुत अलग लग रहे हैं।'

फिल्म के बारे में

'सूर्याः अंत से आरंभ तक' की बात करें तो फिल्म 20 नवंबर 2026 को रिलीज होगी। मोशन पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने कैप्शन में लिखा है- 'अतीत और वर्तमान के बीच उलझा हुआ, वह सच का पता लगाता है।' फिल्म का निर्देशन एम. पद्मकुमार कर रहे हैं और कमल मुकुट इसे प्रस्तुत कर रहे हैं। फिल्म में सनी देओल के साथ प्रज्ञा जायसवाल और रवि किशन जैसे कलाकार नजर आएंगे। फिल्म का मोशन पोस्टर देखने के बाद फिल्म को लेकर दर्शक जबरदस्त उत्सुकता जाहिर कर रहे हैं।

सनी देओल का वर्कफ्रंट

सनी देओल की बात करें तो उन्होंने 'गदर 2' से जबरदस्त कमबैक किया था और इस साल रिलीज हुई 'बॉर्डर 2' को भी दर्शकों से जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओटीटी पर रिलीज हुई 'इक्का' को भी दर्शकों ने पसंद किया, लेकिन अगस्त 2026 में रिलीज हुई 'बंटवारा 1947' को कुछ खास रिस्पॉन्स नहीं मिल सका।

सनी देओल अब रणबीर कपूर स्टारर 'रामायण' में नजर आएंगे, जिसमें वह हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं। इसके अलावा राजकुमार संतोषी ने हाल ही में सनी देओल के साथ एक और फिल्म का ऐलान किया है, जिसका नाम 'घातक घुस के मारेगा' है। इस फिल्म में सनी देओल अपने मशहूर घातक किरदार को एक नए अंदाज निभाते नजर आएंगे।

दिग्गज मराठी एक्ट्रेस मधु कांबीकर का निधन,73 की उम्र में ली आखिरी सांस

मुंबई (एजेंसी)। नाना पाटेकर के निधन को अभी 1 हफ्ते भी नहीं हुआ था कि अब मराठी सिनेमा की एक और दिग्गज अभिनेत्री का निधन हो गया है। कई फिल्मों में नाना पाटेकर की मां का किरदार निभाने वालीं दिग्गज मराठी एक्ट्रेस और लावणी कलाकार मधु कांबीकर का सोमवार, 12 अक्टूबर को 73 साल की उम्र में निधन हो गया। मधु कांबीकर के निधन ने उनके चाहने वालों और मनोरंजन जगत को हैरान कर दिया है। बताया जा रहा है कि वह लंबे समय से बीमार चल रही थीं और आखिरकार 12 अक्टूबर को उन्होंने इस दुनिया को अलविदा कह दिया। उनके निधन की खबर



सामने आने के बाद महाराष्ट्र के नेता और उनके फैंस सोशल मीडिया पर शोक व्यक्त कर रहे हैं। खबरों के अनुसार, लंबी बीमारी के बाद पुणे में मधु कंबिकर ने आखिरी सांस ली। सोशल मीडिया पर कई सितारों और नेताओं ने उन्हें श्रद्धांजलि दी है। मधु कांबीकर ने पुणे में आखिरी सांस ली, जहां 8 अक्टूबर को नाना पाटेकर का अंतिम संस्कार किया गया था। मधु मराठी सिनेमा का जाना-माना नाम रही हैं और कई फिल्मों में अभिनय के साथ-साथ लावणी डांस के लिए भी काफी मशहूर थीं। उन्हें 'एक होता विदूषक', 'येउ का घरत', और 'माला घेऊं चला' जैसी फिल्मों में के लिए जाना जाता है। महाराष्ट्र के उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत पाटिल ने कांबीकर के निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने लिखा, 'दिग्गज एक्ट्रेस और लावणी कलाकार मधु कांबीकर के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने मराठी लोक कला, लावणी और फिल्म इंडस्ट्री में अपनी एक्टिंग की एक अलग पहचान बनाई थी।

'नय्यी नवेली' इवेंट में ब्रैड पिट का नाम सुनते ही यामी गौतम ने दिया मजेदार जवाब, बोलीं- 'मेरी नजर सिर्फ आदित्य धर पर है'

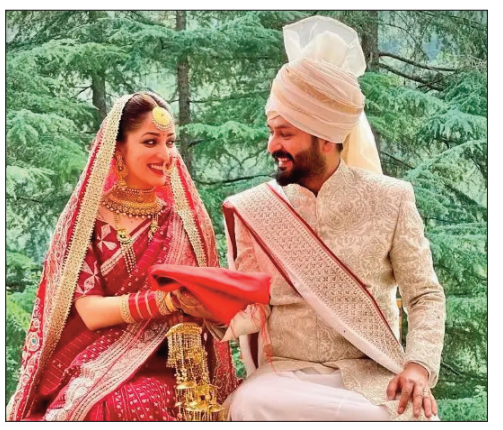
मुंबई (एजेंसी)। यामी गौतम इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'नय्यी नवेली' के प्रमोशन में लगी हुई हैं, जो सिनेमाघरों में 16 अक्टूबर को रिलीज होगी। इस फिल्म के प्रमोशन के लिए एक्ट्रेस हाल ही में अहमदाबाद पहुंची थीं, जहां उनसे ब्रैड पिट के बारे में सवाल किया गया। जब यामी गौतम से पूछा गया कि अगर हॉलीवुड स्टार ब्रैड पिट उनके बगल में ऑटो-रिक्शा में बैठे हों तो क्या वह मीटर चेक करेंगी। इस सवाल का एक्ट्रेस ने मजेदार जवाब दिया, जिसकी उनकी जमकर तारीफ हो रही है। उन्होंने बताया कि उस समय उनका ध्यान किस पर होगा और इस दौरान अपने पति आदित्य धर का भी जिक्र किया।

यामी गौतम का मजेदार जवाब वायरल

होस्ट के मजेदार सवाल के जवाब में यामी ने कहा, 'मेरी नजर सिर्फ आदित्य धर पर रहेगी।' उनके इस जवाब से बातचीत में हंसी-मजाक का माहौल बन गया। साथ ही उन्होंने अपने पति और 'धुरंधर' के डायरेक्टर आदित्य धर को भी चर्चा में बनाए रखा।

'नय्यी नवेली' के प्रमोशन में छाईं यामी गौतम

यामी नवरात्रि सेलिब्रेशन के पहले दिन 'नय्यी नवेली'



को प्रमोट करने के लिए अहमदाबाद में थीं। ब्रैड पिट वाले सवाल पर यामी के जवाब ने तुरंत ऑनलाइन लोगों का ध्यान खींचा। उनके इस मजेदार जवाब ने आदित्य के साथ उनके खूबसूरत बॉन्ड को एक बार फिर से चर्चा का विषय बना दिया। 'नय्यी नवेली' दर्शक 16 अक्तूबर को देख सकते हैं।

यामी गौतम का बड़े पर्दे पर होगा धमाका

इस कपल ने 2021 में शादी की थी और उनका एक बेटा वेदाविद है, जिसका जन्म 10 मई 2024 को हुआ था। यामी ने अक्सर अपनी पर्सनल लाइफ को प्राइवेट ही रखा है, इसलिए प्रमोशन के दौरान अपने पति का प्यार से जिक्र करना खास रहा। बालाजी मोहन द्वारा निर्देशित और आनंद एल राय और हिमांशु शर्मा द्वारा प्रोड्यूस की गई यह फिल्म एक फैंटेसी फैमिली एंटरटेनर है। यह फिल्म 'हक' के बाद यामी की बड़े पर्दे पर वापसी है। उन्होंने अपने पति आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर 2' में भी एक कैमियो रोल किया था।

यामी गौतम और आदित्य धर को नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स

यामी और आदित्य 'आर्टिकल 370' में अपने काम के लिए नेशनल फिल्म अवॉर्ड्स मिलने के बाद भी चर्चा में रहे थे। यामी ने बेस्ट एक्ट्रेस का अवॉर्ड जीता, जबकि आदित्य को फिल्म के प्रोड्यूसर के तौर पर बेस्ट फीचर फिल्म के लिए सम्मानित किया गया।

सेहत

गठिया सिर्फ उम्र बढ़ने की निशानी नहीं, लक्षण दिखते ही कराएं इलाज

गठिया कोई एक बीमारी नहीं, बल्कि जोड़ों को प्रभावित करने वाली कई बीमारियों का ग्रुप है। इनमें ऑस्टियोआर्थराइटिस और रूमेटॉइड आर्थराइटिस मुख्य हैं। ऑस्टियोआर्थराइटिस में जोड़ों की संरचना धीरे-धीरे प्रभावित होती है। यह समस्या घुटनों, कूल्हों और हाथों के जोड़ों में देखी जाती है। वहीं, रूमेटॉइड आर्थराइटिस एक ऑटोइम्यून बीमारी है, जिसमें शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली गलती से जोड़ों पर हमला करने लगती है। इससे सूजन, दर्द और समय के साथ जोड़ों को नुकसान पहुंच सकता है। गठिया केवल बुजुर्गों तक सीमित नहीं है, यह युवाओं को भी प्रभावित कर सकता है।



घुटनों में लगातार दर्द, सुबह उठने पर जोड़ों में अकड़न और सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी को अक्सर बढ़ती उम्र का सामान्य हिस्सा मानकर लोग इसे नजरअंदाज कर देते हैं। लेकिन ये लक्षण गठिया के संकेत भी हो सकते हैं। समय पर पहचान और सही इलाज नहीं मिलने से चलने-फिरने की क्षमता और रोजमर्रा के कामकाज करना भी मुश्किल हो सकता है। लोगों को इस बीमारी के बारे में जागरूक करने के लिए हर साल 12 अक्टूबर को विश्व गठिया दिवस मनाया जाता है।

जोड़ों के दर्द और अकड़न को न करें नजरअंदाज

डॉक्टर अखिलेश यादव (निदेशक ऑर्थोपेडिक्स एवं ज्वाइंट रिप्लेसमेंट, मैक्स हॉस्पिटल, वैशाली) ने बताया कि समय पर जांच होने से गठिया के प्रकार की पहचान कर सही इलाज शुरू किया जा सकता है। रूमेटॉइड आर्थराइटिस में शुरुआती इलाज जोड़ों को होने वाले नुकसान को कम करने में मदद कर सकता है।

जोड़ों को मजबूत कैसे बनाएं

व्यायाम करें- गठिया से पीड़ित कई लोग दर्द बढ़ने के डर से फिजिकल एक्टिविटी बंद कर देते हैं। हालांकि सही एक्सरसाइज और फिजियोथेरेपी आपको दर्द में राहत पहुंचा सकती है। आप अपनी क्षमता के अनुसार पैदल चलना, स्विमिंग और साइकिल चलाना जोड़ों को एक्टिव रख सकता है। जोड़ों के आसपास की मांसपेशियों को मजबूत बनाने वाले व्यायाम उपयोगी साबित होते हैं। हालांकि तेज दर्द में जबरदस्ती व्यायाम करने से बचना चाहिए और डॉक्टर की सलाह लेनी चाहिए।

वजन कंट्रोल रखें- घुटनों और कूल्हों के गठिया में वजन नियंत्रित रखना भी महत्वपूर्ण है। अधिक वजन के कारण इन जोड़ों पर दबाव बढ़ता है, जिससे दर्द और चलने-फिरने में परेशानी बढ़ सकती है। संतुलित आहार, नियमित शारीरिक गतिविधि और जरूरत के अनुसार धीरे-धीरे वजन कम करना जोड़ों की सेहत के लिए फायदेमंद हो सकता है।

(एजेंसी)

हर रोज पिएं एक गिलास लौकी का जूस सेहत को मिलेंगे जबरदस्त फायदे

लौकी में पानी, फाइबर, विटामिन सी, विटामिन बी, आयरन, पोटैशियम, मैग्नीशियम और प्रोटीन समेत कई पोषक तत्वों की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है। हेल्थ एक्सपर्ट्स के मुताबिक अगर आप लौकी के जूस को अपने डाइट प्लान में शामिल करते हैं, तो आपकी सेहत को काफी हद तक सुधारा जा सकता है। हर रोज लौकी का जूस पिएं और आपको महज कुछ ही हफ्तों के अंदर खुद-ब-खुद पॉजिटिव असर दिखाई देने लगेगा।

बॉडी को डिटॉक्स करे

अगर आप अपनी बॉडी को डिटॉक्सिफाई करना चाहते हैं तो लौकी के जूस का सेवन करना शुरू कर सकते हैं। सही मात्रा में और सही तरीके से लौकी का जूस पीकर शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकाला जा सकता है। आपकी जानकारी के लिए बता दें कि लो कैलोरी और फाइबर रिच लौकी का जूस आपकी वेट लॉस जर्नी को आसान बनाने में भी मददगार साबित हो सकता है।

गट हेल्थ के लिए फायदेमंद

लौकी के जूस में फाइबर की अच्छी खासी मात्रा पाई जाती है और इसलिए इस जूस को गट हेल्थ के लिए फायदेमंद माना जाता है। कब्ज, गैस और एसिडिटी जैसी पेट से जुड़ी समस्याओं से छुटकारा पाने के लिए लौकी के जूस का सेवन किया जा सकता है। डायबिटीज पेशेंट्स को भी लौकी के जूस का सेवन करने की सलाह दी जाती है। दरअसल, लौकी का जूस पीकर ब्लड शुगर लेवल पर काबू पाया जा सकता है।

कंट्रोल करे ब्लड प्रेशर

क्या आप जानते हैं कि ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के लिए लौकी के जूस को डाइट प्लान में शामिल किया जा सकता है? इसके अलावा कोलेस्ट्रॉल के स्तर पर काबू पाने के लिए भी पोषक तत्वों से भरपूर इस जूस को पिया जा सकता है। लौकी के जूस में पाए जाने वाले तमाम पोषक तत्व दिल से जुड़ी गंभीर और जानलेवा बीमारियों के खतरे को कम करने में भी कारगर साबित हो सकते हैं। **(एजेंसी)।**

कफ दोष को कैसे कंट्रोल करें ?

आयुर्वेद कहता है कि हर इंसान की एक खास प्रकृति होती है, जिसमें पित्त, वात और कफ दोष में से कोई एक दोष की अधिकता पाई जाती है। ज्यादातर लोगों को पता नहीं होता कि शरीर में कौन सा दोष बढ़ा हुआ है। हालांकि खान-पान और कुछ आदतों पर गौर करने से इसका आसानी से पता लगाया जा सकता है। अगर आपके शरीर में आलस है, सर्दी जुकाम बना रहता है, आपकी धीमी चाल है और स्वभाव गंभीर है तो ये दिखाता है कि आप कफ प्रकृति के हैं। आइये जानते हैं कफ दोष को कैसे कंट्रोल करें, ऐसे लोगों को क्या खाना चाहिए और किन चीजों से परहेज करना चाहिए।

शरीर में कफ दोष बढ़ने के लक्षण

आयुर्वेदिक डॉक्टर चंचल शर्मा ने बताया कि आपके स्वास्थ्य को शरीर में पाए जाने वाले त्रिदोष यानि वात, पित्त और कफ ही बैलेंस करते हैं। जब भी शरीर में किसी एक दोष की वृद्धि होती है तो शरीर उससे जुड़े संकेत बीमारियों और परेशानियों के रूप में देने लगता है। शरीर में कफ दोष बढ़ने पर शरीर की स्थिरता और पोषण पर भी प्रभाव पड़ने लगता है। ऐसे लोग मोटे होने लगते हैं, धीरे-धीरे वजन बढ़ता है और सुस्ती बनी रहती है। ऐसे लोगों का स्टेमिना कम होता है और थकान बनी रहती है। इन लोगों को सर्दी-जुकाम लगा रहता है। ऐसे लोगों में बलगम की समस्या रहना आम बात है। कफ बढ़ने से पाचन शक्ति कमजोर होने लगती है। कफ दोष को कंट्रोल करना है तो खाने में से दही, चीनी और ठंडे ड्रिंक हटा दें। ऐसे लोगों को ज्यादा तला-भुना खाने से भी बचना चाहिए। कफ दोष वालों को अपने आहार में दूध से बनी चीजें शामिल करनी चाहिए। जिससे कफ दोष बैलेंस रहे। इसके साथ ही लाइफस्टाइल में सुधार करने से भी कफ को काफी कंट्रोल किया जा सकता है। ऐसे लोगों को सुबह जल्दी उठना चाहिए और उठकर गर्म पानी का सेवन करना चाहिए। खाने में तेल मसाले का इस्तेमाल कम से कम करें। इससे कफ विकार को काफी कंट्रोल किया जा सकता है। आयुर्वेद में कफ दोष को कंट्रोल करने के लिए कई खाद्य पदार्थों का सेवन बताया जाता है। ऐसे लोगों को ज्यादा भारी खाना खाने की बजाय हल्का और सुपाच्य भोजन खाना चाहिए। ऐसे लोगों को खाने में मूंग की दाल, अदरक की दाल, हल्दी, काली मिर्च और लहसुन जैसी चीजें शामिल करनी चाहिए। **(एजेंसी)**

नवरात्रि व्रत में डायबिटीज के मरीज इन बातों का रखें ध्यान? नहीं बढ़ेगा ब्लड शुगर लेवल

नवरात्रि की शुरुआत कल से हो गई है। त्योहार के इस खास मौके पर लोग व्रत रखते हैं, लेकिन डायबिटीज (मधुमेह) से पीड़ित मरीजों के लिए व्रत रखते समय अपने ब्लड शुगर लेवल को नियंत्रित रखना एक बड़ी चुनौती हो सकता है। इस दौरान खान-पान में बदलाव, भोजन करने के समय में अंतर और दवाइयों के समय में बदलाव के कारण ब्लड शुगर का स्तर प्रभावित हो सकता है। हालांकि, कुछ सावधानियां बरतकर त्योहार का आनंद लेते हुए अपनी सेहत का भी ध्यान रखा जा सकता है। ऐसे में डॉ अर्चना एस, क्लिनिकल डायटीशियन और सर्टिफाइड डायबिटिक एजुकेटर, किम्स हॉस्पिटल बता रही हैं कि नवरात्रि व्रत के दौरान डायबिटीज के मरीजों को किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

खान-पान का खास ध्यान रखें

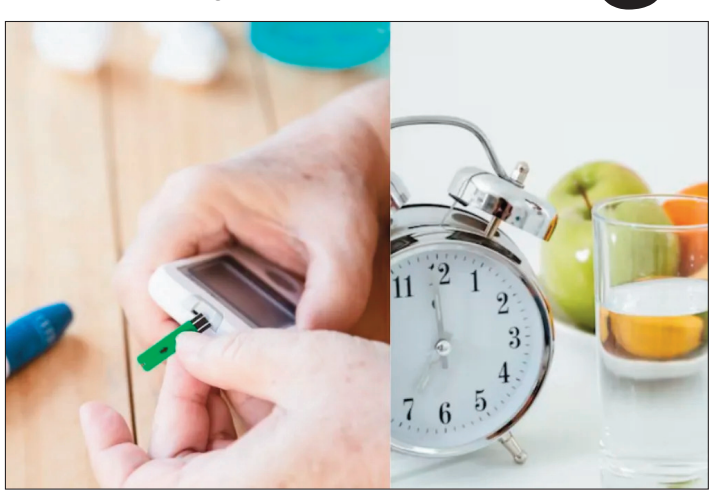
व्रत रखने का मतलब यह नहीं है कि फल, आलू, साबूदाना, कुट्टू या सिंघाड़े के आटे से बनी चीजों का असीमित मात्रा में सेवन किया जाए। इन खाद्य पदार्थों में कार्बोहाइड्रेट की मात्रा अधिक होती है, जिससे ज्यादा खाने पर ब्लड शुगर का लेवल बढ़ सकता है। इसलिए इनका सेवन सीमित मात्रा में करें और अपने भोजन में प्रोटीन व फाइबर से भरपूर चीजों को भी शामिल करें।

डॉक्टर की सलाह के बिना लंबे समय तक भूखे न रहें

लंबे समय तक कुछ न खाने से ब्लड शुगर का लेवल बहुत कम होने यानी हाइपोग्लाइसीमिया का खतरा बढ़ सकता है। यह जोखिम विशेष रूप से उन लोगों में अधिक होता है, जो इंसुलिन या ऐसी डायबिटीज की दवाइयां लेते हैं जिनसे ब्लड शुगर कम हो सकता है। व्रत रखने से पहले अपने एंडोक्राइनोलॉजिस्ट से सलाह जरूर लें। टाइप-1 डायबिटीज, बार-बार ब्लड शुगर कम होने, अनियंत्रित डायबिटीज या डायबिटीज से जुड़ी अन्य खतरों से पीड़ित लोगों को व्रत के दौरान विशेष सावधानी बरतनी चाहिए।

ब्लड शुगर की नियमित जांच करें

व्रत के दौरान सामान्य दिनों की तुलना में ज्यादा बार ब्लड शुगर की जांच करें, खासकर यदि आप इंसुलिन या ऐसी दवाइयां लेते हैं जिनसे शुगर



कम होने का खतरा रहता है। पसीना आना, हाथ कांपना, चक्कर आना, दिल की धड़कन तेज होना, बहुत ज्यादा भूख लगना या भ्रम की स्थिति जैसे लक्षणों को नजरअंदाज न करें।

यदि ब्लड शुगर का लेवल 70 mg/dL से कम हो जाए, तो डॉक्टर द्वारा बताए गए उपचार का पालन करें। आमतौर पर इसके लिए 15 ग्राम तेजी से असर करने वाले कार्बोहाइड्रेट का सेवन किया जाता है और 15 मिनट बाद दोबारा ब्लड शुगर की जांच की जाती है।

शरीर में पानी की कमी न होने दें

यदि डॉक्टर ने तरल पदार्थों के सेवन पर कोई पाबंदी नहीं लगाई है, तो व्रत के दौरान जब भी भोजन या पानी लेने की अनुमति हो, तो पर्याप्त मात्रा में पानी पिएं। एनर्जी के लिए मीठे फलों के जूस, शरबत या अधिक मीठी लस्सी पर निर्भर न रहें, क्योंकि इनसे ब्लड शुगर तेजी से बढ़ सकता है।

दवाइयों में अपनी मर्जी से बदलाव न करें

डॉक्टर की सलाह के बिना इंसुलिन या डायबिटीज की दवाइयों की खुराक कम न करें, उन्हें छोड़ें नहीं और न ही उनके समय में बदलाव करें। व्रत के दौरान खान-पान और ब्लड शुगर के लेवल को ध्यान में रखते हुए डॉक्टर आपकी दवाइयों की खुराक में जरूरी बदलाव कर सकते हैं।

व्रत खोलते समय सावधानी बरतें

लंबे समय तक भूखे रहने के बाद एक साथ बहुत अधिक खाना न खाएं। व्रत खोलते समय संतुलित आहार लें और अधिक कार्बोहाइड्रेट वाली चीजें एक ही बार में ज्यादा मात्रा में खाने से बचें। सबसे जरूरी बात यह है कि व्रत के कारण सेहत से समझौता न करें। यदि बहुत ज्यादा भूख या प्यास लगने, ब्लड शुगर कम या अधिक होने, उल्टी, अत्यधिक कमजोरी या चक्कर आने जैसे लक्षण महसूस हों, तो तुरंत व्रत तोड़ दें और जरूरत पड़ने पर डॉक्टर से सलाह लें। **(एजेंसी)**

संस्थापक- संपादक
स्व. आर. एस. शुक्ला

e-paper
dainandini.in

दैनिक
दैनन्दिनी.

मंगलवार 13 अक्टूबर 2026 ■ रायपुर और बिलासपुर से एक साथ प्रकाशित

ढाबा कर्मचारी से मारपीट और तोड़फोड़

महासमुंद। बसना क्षेत्र के एक ढाबे में सिगरेट मांगने को लेकर विवाद हो गया। ढाबा कर्मचारी द्वारा युवकों को चिल्लाने से मना करने पर दोनों ने गाली-गलौज करते हुए उसके साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इस दौरान एक आरोपी ने ढाबे की कुर्सियों और बर्तनों को भी इधर-उधर फेंककर तोड़फोड़ कर दी। पुलिस के अनुसार बसना निवासी पुरुषोत्तम अग्रवाल ने शिकायत में बताया कि 10 अक्टूबर की रात करीब 1 बजे वह अपने गौरी लक्ष्मी ढाबा में बैठा था। इसी दौरान बरगांव निवासी साहिल कुमार और खेमड़ा निवासी रूपेश सेंदरिया ढाबे के पास पहुंचे और वहां काम करने वाले राज चौहान से चिल्लाकर सिगरेट मांगने लगे। राज चौहान ने दोनों से चिल्लाने का कारण पूछा। आरोप है कि इस बात पर साहिल कुमार और रूपेश सेंदरिया ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। दोनों ने मारपीट करते हुए उसे जान से मारने की धमकी भी दी। इसी दौरान साहिल कुमार ने ढाबे की कुर्सियों और बर्तनों को इधर-उधर फेंककर तोड़फोड़ की। शिकायत पर बसना पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ धारा 115(2), 296, 3(5), 324(2) और 351(3) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर लिया है।

आइसक्रीम मांगने पर विवाद, तीन युवकों ने की मारपीट

महासमुंद। आइसक्रीम मांगने की बात को लेकर किराना दुकान पर शुरू हुआ विवाद मारपीट तक पहुंच गया। तीन लोगों ने एक युवक के साथ गाली-गलौज करते हुए मारपीट कर दी। मामले में पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम परसकोल निवासी सचिन भोई ने शिकायत में बताया कि 8 अक्टूबर की शाम करीब 7 बजे वह अपने दोस्त सुजीत प्रधान के साथ गुलशन किराना दुकान गया था। सचिन ने दुकान संचालक गुलशन से आइसक्रीम मांगी। इस पर गुलशन ने गुस्से में कहा कि वह थक गया है और अभी आइसक्रीम नहीं दे पाएगा। इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद होने लगा। इसी दौरान अरुण खम्हारी और बनमाली खम्हारी भी वहां पहुंच गए। आरोप है कि दोनों ने गुलशन के साथ मिलकर सचिन से गाली-गलौज की और उसके साथ मारपीट की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध धारा 115(2), 296 और 3(5) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

मारपीट का आरोप

महासमुंद। ग्राम भठोरी में निर्माणाधीन मकान को कथित तौर पर तोड़ने, गाली-गलौज, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में बसना पुलिस ने 14 नामजद लोगों सहित अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है।

पुलिस ने प्रार्थी मनोज कुमार यादव की शिकायत पर बीएनएस की धारा 115(2), 191(2), 296 और 324(2) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस के अनुसार ग्राम भठोरी निवासी मनोज कुमार यादव ने शिकायत में बताया कि उसे शासन की ओर से ग्राम भठोरी, रा.नि.मं. भूकेल, तहसील बसना स्थित खसरा नंबर 313/2, रकबा 411.53 वर्गमीटर भूमि स्वामित्व हक में प्राप्त हुई है।

महाराजा श्री अग्रसेन जी ने दिया दानशीलता और परोपकार का अमूल्य संदेश : राज्यपाल

विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रवाल समाज की होगी महत्वपूर्ण भूमिका : मुख्यमंत्री

रायपुर ■ दैनन्दिनी

राज्यपाल श्री रमेन डेका और मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय आज यहां राजधानी रायपुर के श्री अग्रसेन धाम में आयोजित श्री अग्रसेन जयंती महोत्सव 2026 में शामिल हुए। इस अवसर पर राज्यपाल श्री रमेन डेका ने प्रदेशवासियों को शारदीय नवरात्रि एवं श्री अग्रसेन जयंती की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि महाराजा श्री अग्रसेन जी ने समाज को दानशीलता और परोपकार का अमूल्य संदेश दिया। अग्रवाल समाज व्यवसाय के साथ समाज में भी अपना सार्थक योगदान दे रहे हैं और भारतीय अर्थव्यवस्था में भी उनका महत्वपूर्ण योगदान है। यह समाज परिश्रम से स्थापित उद्योग-धंधों में लोगों को रोजगार देते हैं। विभिन्न क्षेत्रों में अग्रवाल समाज के लोग अग्रणी भूमिका में रहते हैं। महाराजा अग्रसेन जी ने समाज के अंतिम व्यक्ति के उत्थान के लिए कार्य करने की प्रेरणा दी। उनके द्वारा दिए गए एक ईंट एक रुपया का सिद्धांत आपसी सहयोग और आत्मनिर्भरता की अनोखी मिसाल है। राज्यपाल श्री डेका ने कहा कि महाराजा अग्रसेन जी ने हमें सिखाया कि ज्ञान सभी से लेना चाहिए और दान भी देना चाहिए। नई पीढ़ी को त्वरित सफलता प्राप्त करने की जगह पारंपरिक मूल्यों का पालन करना चाहिए। अग्रवाल समाज में पारिवारिक व्यवसाय को आगे बढ़ाने की सुंदर परम्परा है। असम सिनेमा को आगे



बढ़ाने में श्री ज्योति प्रसाद अग्रवाल ने योगदान दिया है। उन्होंने कहा कि सभी की भागीदारी से ही सुंदर समाज का निर्माण हो सकता है। छत्तीसगढ़ में उद्योग एवं व्यवसाय की असीम संभावना है। अग्रवाल समाज अपने व्यापार में इन अवसरों का उपयोग करेंगे तो कई लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण में अग्रवाल समाज की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि यह समाज हमेशा परोपकार के क्षेत्र में अग्रणी रहता है। चाहे स्वास्थ्य शिविर हो या गौसेवा, धर्मशाला, सामूहिक विवाह या निःशुल्क शिक्षा प्रदान करना, अग्रवाल समाज हर रूप में आगे बढ़कर परोपकार करता है। आज भी गौमाता के लिए एम्बुलेंस का लोकार्पण किया गया है, यह अग्रवाल समाज की सेवा भावना को दर्शाता है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 2047 तक विकसित भारत के निर्माण का संकल्प लिया है। हम भी विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए विजन डाक्यूमेंट के आधार पर मिशन मोड पर कार्य कर रहे हैं। हमारा लक्ष्य राज्य की जीएसडीपी को 5 लाख करोड़ से 75 लाख करोड़ रूपए तक पहुंचाना है। छत्तीसगढ़ में खनिज, वनोपज, बिजली, पानी सहित सभी संसाधन प्रचुर मात्रा में उपलब्ध हैं। अग्रवाल समाज अपने व्यवसायिक परिश्रम से छत्तीसगढ़ को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्यामबिहारी जायसवाल ने कहा कि अग्रवाल समाज लोगों को रोजगार देने के साथ ही समाजसेवा में भी अपना बहुमूल्य योगदान देता है। महाराजा अग्रसेन जी ने समानता और आत्मनिर्भरता का संदेश दिया।

आयुष्मान भारत योजना से धामा बाई कोसरिया को मिला निःशुल्क उपचार

महासमुंद। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना जरूरतमंद परिवारों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने में विशेष भूमिका निभा रही है। नक्शे देखें

इसी कड़ी में महासमुंद जिले के ग्राम पिलवापाली निवासी धामा बाई कोसरिया को योजना के अंतर्गत पैर के गंभीर घाव का निःशुल्क उपचार मिला, जिससे उन्हें दर्द एवं परेशानी से राहत मिली।

जिले में अब तक 10 लाख 54 हजार 744 हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके हैं, जो निर्धारित लक्ष्य का लगभग 95.4 प्रतिशत है। वहीं, वरिष्ठ नागरिकों को स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में 31 हजार 283 आयुष्मान वय वंदन कार्ड भी बनाए गए हैं।

धामा बाई कोसरिया के पैर में गंभीर घाव होने के कारण उन्हें चलने-फिरने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। घाव के कारण दर्द एवं असहजता बनी हुई थी। वहीं इलाज में होने वाले खर्च को लेकर परिवार भी चिंतित था।

स्वास्थ्य केंद्र में जांच एवं चिकित्सकीय परामर्श के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कर उपचार प्रदान किया गया। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के अंतर्गत उनका लगातार 6 दिनों तक निःशुल्क उपचार किया गया। इस दौरान उन्हें आवश्यक दवाइयां, ड्रेसिंग एवं चिकित्सकीय निगरानी उपलब्ध कराई गई। समुचित उपचार के बाद धामा बाई कोसरिया के पैर के घाव में काफी सुधार हुआ। दर्द एवं परेशानी में राहत मिलने के साथ उनकी सामान्य गतिविधियों में भी सुधार आया। योजना के माध्यम से निःशुल्क उपचार मिलने से उनके परिवार को इलाज के आर्थिक बोझ से राहत मिली।

धामा बाई कोसरिया ने भावुक होकर कहा कि मेरे पैर में घाव होने के कारण मुझे काफी परेशानी हो रही थी। अस्पताल में छह दिनों तक भर्ती रहकर मेरा इलाज हुआ। आयुष्मान योजना के तहत मेरा उपचार निःशुल्क किया गया, जिससे मेरे परिवार पर इलाज का आर्थिक बोझ नहीं पड़ा। डॉक्टरों एवं अस्पताल के कर्मचारियों ने अच्छी देखभाल की।

मैं आयुष्मान योजना के लिए बहुत आभारी हूं। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना पात्र हितग्राहियों को योजना के प्रावधानों के अनुसार सूचीबद्ध अस्पतालों में कैशलेस उपचार उपलब्ध कराने में सहायक है। यह योजना आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच आसान बनाने तथा बीमारी के समय आर्थिक बोझ कम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

जल संरक्षण की अनूठी पहल: मिट्टी के बांध से संवरी किसानों की किस्मत, खरीफ फसलों को मिली संजीवनी

सूरजपुर। जिले के जनपद पंचायत ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत चबदा में विकसित भारत - जी राम जी योजना के तहत निर्मित मिट्टी बांध ने वर्षा जल को सहेजकर किसानों को खरीफ सीजन में धान की फसल के लिए पानी उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ग्राम चबदा के किसान राम सेवक कुर्रे बताते हैं कि पहले गांव में पानी रोकने की पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने से खेती-किसानी पूरी तरह बारिश पर निर्भर रहती थी।

लेकिन गांव में मिट्टी बांध बनने के बाद इस वर्ष खरीफ



सीजन में किसानों को काफी सहूलियत मिली। मानसून के दौरान बांध में एकत्रित वर्षा जल का उपयोग आसपास के किसानों ने अपने खेतों में किया। इससे धान की रोपाई के समय पानी की जरूरत पूरी करने में मदद मिली और किसानों को पहले की तुलना में आसानी हुई हे।

ग्राम चबदा में निर्मित मिट्टी बांध ने इस वर्ष वर्षा जल संरक्षण की उपयोगिता को साबित किया है। बारिश के दौरान बांध में ठहरे पानी का उपयोग किसानों ने जरूरत के अनुसार कृषि कार्यों में किया। इससे विशेषकर धान की रोपाई के दौरान पानी की उपलब्धता सुनिश्चित करने में सहायता मिली। राम सेवक कुर्रे बताते हैं कि पहले बारिश में देरी होने पर किसानों को खेती के काम में पिछड़ने की चिंता रहती थी। लेकिन मिट्टी बांध बनने से इस बार धान की रोपाई के दौरान पानी की समस्या से काफी राहत मिली।

सेवा सेतु शिविर बना मददगार, साढ़े चार माह के बच्चे का मौके पर ही हुआ आधार पंजीयन

उत्तर बस्तर कांकेर। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत शासन की जनकल्याणकारी सेवाओं को आमजन तक पहुंचाने की पहल ग्रामीणों के लिए सुविधाजनक साबित हो रही है।

इसी कड़ी में ग्राम माहला में आयोजित सेवा सेतु शिविर में बुधान्दंड निवासी सुनीता निषाद, पति महेश निषाद, ने अपने साढ़े चार माह के बच्चे का तत्काल आधार पंजीयन कराया।

सुनीता निषाद ने बताया कि छोटे बच्चे की देखभाल के कारण वे आधार पंजीयन कराने के लिए शहर नहीं जा पा रही



थीं। ऐसे में जब सेवा सेतु शिविर उनके गांव के आसपास ही आयोजित हुआ, तो वे अपने बच्चे को लेकर शिविर पहुंचीं और उनका काम आसानी से हो गया। उन्होंने कहा कि शासन-प्रशासन की यह पहल ग्रामीणों के लिए काफी सुविधाजनक है। गांव के पास ही शिविर आयोजित होने से उन्हें शहर जाने की परेशानी से राहत मिली। उन्होंने इस सुविधा के लिए शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

सरस्वती शिशु मंदिर, अमलीपदर को मिली डिजिटल स्मार्ट क्लास की सौगात

गरियाबंद /अमलीपदर (दैनंदिनी ब्यूरो)। भारत में आज भी सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय गुरुकुल परंपरा के उन आदर्शों को जीवंत रखने का सार्थक प्रयास कर रहे हैं, जहाँ शिक्षा का उद्देश्य केवल पुस्तकीय ज्ञान देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों के चरित्र निर्माण, नैतिक मूल्यों, अनुशासन, सेवा भावना, शारीरिक एवं बौद्धिक विकास के साथ उन्हें संस्कारवान नागरिक बनाना है।

वर्ष 1952 में उत्तर प्रदेश के गोरखपुर में प्रथम सरस्वती शिशु मंदिर की स्थापना के साथ प्रारंभ हुई यह शैक्षिक यात्रा आज



देशभर में संस्कारयुक्त शिक्षा के प्रसार का महत्वपूर्ण माध्यम बन चुकी है। बदलते समय के साथ आधुनिक तकनीक को अपनाते हुए भी भारतीय संस्कृति, परंपराओं और जीवन मूल्यों को शिक्षा का अभिन्न अंग बनाए रखना ही इस शिक्षा पद्धति की विशिष्ट पहचान है।

इसी उद्देश्य को आगे बढ़ाते हुए सरस्वती शिक्षा संस्थान छत्तीसगढ़ द्वारा डिजिटल क्रांति एवं आधुनिक शिक्षा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखकर प्रदेश के 150 सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों में स्मार्ट बोर्ड युक्त डिजिटल कक्षाओं की सौगात प्रदान करने की सराहनीय पहल की गई है। आज दिनांक 12 अक्टूबर 2026 को प्रातः 10:30 बजे आदरणीय डॉ. पूर्णेन्दु सक्सेना जी, माननीय क्षेत्रीय संघचालक, मध्य क्षेत्र एवं डॉ. देवनारायण साहू जी, संगठन मंत्री, विद्या भारती छत्तीसगढ़ सहित वरिष्ठ पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति में वर्चुअल माध्यम से डिजिटल स्मार्ट बोर्ड कक्षों का लोकार्पण संपन्न हुआ।

जेएनयू में छात्राओं से कथित यौन दुर्व्यवहार के मामले पर गरियाबंद में भाजपा महिला मोर्चा का प्रदर्शन

तिरंगा चौक से रैली निकाल कांग्रेस भवन का घेराव, राहुल गांधी और कांग्रेस के खिलाफ की नारेबाजी

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। महिलाओं के सम्मान, छात्राओं की गरिमा और शैक्षणिक संस्थानों में सुरक्षित वातावरण के मुद्दे को लेकर भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा ने गरियाबंद में कांग्रेस के खिलाफ मोर्चा खोलते हुए विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा के आह्वान पर जिला महिला मोर्चा अध्यक्ष श्रीमती बिंदु सिन्हा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने तिरंगा चौक से रैली निकालकर कांग्रेस भवन का घेराव किया। इस दौरान कांग्रेस पार्टी और राहुल गांधी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

प्रदर्शन का मुख्य मुद्दा जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) के पूर्व प्राध्यापक एवं कांग्रेस सांसद डॉ. अंगोमचा बिमोल अकोइजम के विरुद्ध छात्राओं द्वारा लगाए गए कथित यौन दुर्व्यवहार के आरोप रहे। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, विश्वविद्यालय की



आंतरिक समिति की जांच के बाद 9 अक्टूबर 2026 को सांसद अकोइजम को प्राध्यापक पद से बर्खास्त कर दिया गया। मामले में छात्राओं की शिकायतों के आधार पर कार्रवाई की गई है। हालांकि, सांसद ने आरोपों और जांच प्रक्रिया पर सवाल उठाए हैं।

भाजपा महिला मोर्चा ने इस मामले को महिलाओं की गरिमा और छात्राओं की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर विषय बताते हुए कांग्रेस नेतृत्व की जवाबदेही पर सवाल उठाए। प्रदर्शनकारियों ने राहुल गांधी के महिला अधिकारों और पितृसत्ता के खिलाफ दिए जाने वाले राजनीतिक संदेशों का उल्लेख करते हुए कांग्रेस से अपने सांसद के मामले में स्पष्ट रुख अपनाने की मांग की।

महिला मोर्चा का कहना था कि महिलाओं के सम्मान और सुरक्षा की बात केवल भाषणों तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि ऐसे गंभीर आरोप सामने आने पर निष्पक्ष जांच, जवाबदेही और उचित कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

महिला मोर्चा की कार्यकर्ताओं ने तिरंगा चौक से रैली निकालकर कांग्रेस भवन पहुंचकर घेराव किया। इस दौरान कांग्रेस और राहुल गांधी के विरोध में नारे लगाए गए। प्रदर्शन के माध्यम से भाजपा महिला मोर्चा ने छात्राओं के सम्मान और महिला सुरक्षा के मुद्दे पर अपना विरोध दर्ज कराया।

कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष अनिल चंद्राकर, महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष श्रीमती बिंदु सिन्हा, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती लालिमा पारस ठाकुर, सरिता वर्मा महिला मोर्चा जिला प्रभारी,जिला पंचायत सदस्य श्रीमती शिवांगी चतुर्वेदी,रेखा सोनकर ,मिलेश्वरी साहिब,वरिष्ठ भाजपा नेता बल्देव सिंह हुंदल, जिला महामंत्री आशीष शर्मा, नगर पालिका अध्यक्ष रिखी राम यादव, जिला कोषाध्यक्ष अजय रोहरा, पार्षद श्रीमती पुष्पा साहू, पार्षद श्रीमती रेणुका साहू, मंडल अध्यक्ष सुमित पारख, मंडल मंत्री मंजरी गुप्ता, प्रियंका सोनी संतोषी श्रीवास्तव,प्रतिभा पांडे,माही यादव, पुष्पलता सिन्हा सहित महिला मोर्चा की पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गांजा तस्करी का मास्टर माइंड घनश्याम गुर्जर राजस्थान से गिरफ्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। कबीरधाम पुलिस अधीक्षक श्री जितेन्द्र कुमार यादव के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्री हेमसागर सिदार एवं श्री अमित कुमार पटेल के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी श्री प्रशांत देवांगन के पर्यवेक्षण में थाना चिल्फी पुलिस द्वारा मादक पदार्थ गाँजा की तस्करी के गंभीर प्रकरण में फरार चल रहे मुख्य आरोपी घनश्याम गुर्जर, निवासी राजस्थान, को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की गई है। थाना प्रभारी चिल्फी के नेतृत्व में पुलिस टीम द्वारा लगातार पतासाजी एवं तकनीकी सहायता के आधार पर आरोपी को राजस्थान से गिरफ्तार कर विधिवत कार्यवाही की गई।

मामले का संक्षिप्त विवरण- प्रकरण में दिनांक 24 फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि एक कंटेनर वाहन में भारी मात्रा में गाँजा छिपाकर परिवहन किया जा रहा है। सूचना पर थाना चिल्फी पुलिस द्वारा राष्ट्रीय राजमार्ग क्रमांक 30 पर नाकाबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कंटेनर के अंदर बनाए गए गोपनीय चेंबर से अलग-अलग पैकेटों में छिपाकर रखा गया



गाँजा बरामद हुआ।

पुलिस द्वारा विधिवत कार्यवाही करते हुए कुल 927.645 किलोग्राम गाँजा बरामद कर जप्त किया गया, जिसकी अनुमानित कीमत 4 करोड़ 63 लाख रुपये है। गाँजा परिवहन में प्रयुक्त कंटेनर वाहन, जिसकी अनुमानित कीमत 30 लाख रुपये है, को भी जप्त किया गया।

प्रकरण में कुल 890 पैकेटों में गाँजा बरामद हुआ था। मामले में थाना चिल्फी में अपराध क्रमांक 07/2026, धारा 20(बी)(ii)(सी) एवं 29 एनडीपीएस एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की गई।

प्रकरण की विवेचना के दौरान पूर्व में गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ, उनके कथनों एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर घनश्याम गुर्जर, निवासी राजस्थान, की गाँजा तस्करी में संलिप्तता सामने आई। आरोपी घटना के बाद से लगातार फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए थाना चिल्फी पुलिस द्वारा विभिन्न संभावित स्थानों पर लगातार पतासाजी की गई तथा तकनीकी सहायता भी ली गई। आरोपी की तलाश के लिए राजस्थान में भी पुलिस टीम भेजकर प्रयास किए गए।

विवेचना के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर घनश्याम गुर्जर को प्रकरण में मुख्य आरोपी के रूप में शामिल किया गया। आरोपी की लगातार तलाश के बाद पुलिस टीम ने उसे राजस्थान के जिला कोटपुतली-बहरोड़ अंतर्गत थाना बहरोड़ सदर क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

:- संपादकीय :-

चुनाव बहिष्कार पेचीदा सवाल

चुनाव बहिष्कार एक पेचीदा सवाल है, जिस पर बहस तो ठीक है, लेकिन जल्दबादी में फैसला उचित नहीं होगा। चुनाव बहिष्कार जैसे चरम कदम पर सोचने के पहले तमाम संभव विकल्पों को आजमाना सही रास्ता होगा।कॉकरोच जनता पार्टी के संस्थापक अभिजित दीपके के विपक्ष से चुनाव बहिष्कार के आह्वान ने बहुत से लोगों के मन में चल रही इस बात को उनकी जुबान पर ला दिया है। दीपके का तर्क है कि जिस तरह से देश में चुनाव कराए जा रहे हैं, उसमें विपक्ष के लिए वैसे भी कोई गुंजाइश नहीं बची है। उनके मुताबिक जब खुद विपक्षी नेता अनेक चुनावों के बारे में मानते हैं कि उन्हें चुरा लिया गया, तो आगे चोरी की संभावना वाले चुनावों में भाग लेने का क्या मतलब है? क्या ऐसा करके विपक्ष पहले से तय परिणाम को वैधता प्रदान नहीं कर रहा है?इस समय जो माहौल है, उसमें जनमत के बहुत बड़े हिस्से को इन बातों में दम नजर आता है। लेकिन एक दूसरी, उतनी ही मजबूत राय है कि देश में इतनी अधिक संख्या में पार्टियां हैं कि सबको बायकॉट के लिए राजी करना कठिन होगा। अगर इंडिया एलायंस सहमत हो भी जाता है, तो संभव है कि अनेक छोटे दल 'विपक्ष का रोलइ अदा करने के लिए मैदान में बने रहें। बहिष्कार का एक और परिणाम होगा भाजपा की एकतरफा जीत सुनिश्चित होना, जिससे वह मनमाने विधायी पहल या संविधान संशोधन में सक्षम हो जाएगी। चूंकि जनता से लगातार जुड़ाव, उनके बीच पैठ, और उनकी गोलबंदी की सियासत खासकर विपक्षी दलों ने बहुत पहले से छोड़ रखी है, इसलिए बहिष्कार को तुरंत जन आंदोलन में तब्दील करने की उनकी क्षमता संदिग्ध है।ऐसे में वैधता का सवाल कभी जन मुद्दा बना भी, तो उसमें काफी देर हो सकती है। फिर बांग्लादेश जैसे जिन देशों में प्रमुख विपक्षी दलों ने बहिष्कार का रास्ता चुना, वहां जो बाद में हुआ, वह कोई चमकती हुई मिसाल नहीं है। ऐसे में फिलहाल जनता के बीच जाकर दीर्घकालिक नजरिए से बुनियादी मुद्दों पर जागरूकता लाना एवं संगठन तैयार करना कहीं बेहतर रास्ता हो सकता है। कुल मिलाकर बहिष्कार एक पेचीदा सवाल है, जिस पर बहस तो ठीक है, लेकिन जल्दबादी में फैसला उचित नहीं होगा। चुनाव बहिष्कार जैसे चरम कदम पर सोचने के पहले तमाम संभव विकल्पों को आजमाना सही रास्ता होगा।

हिमालय की प्रदूषण-मुक्ति भी हो पहाड़ी तीर्थयात्रा का उद्देश्य

ललित गर्ग ।

हिमालय आज चिन्ताओं का हिमालय बन गया है। कुछ दशकों में खासकर हिमालयी क्षेत्र के राज्यों में विकास के नाम पर जहां प्राकृतिक संसाधनों का अंधाधुंध दोहन हुआ है, वहीं धार्मिक पर्यटन के नाम पर व्यापक स्तर पर प्रदूषण फैला है। इतना ही नहीं, प्रकृति से खिलवाड़ कर नियमों के खिलाफ ऐसा निर्माण खड़ा किया जा रहा है, जो बाढ़ और भूस्खलन के साथ बबार्दी लेकर आता रहा है। सवाल यह भी है कि पहाड़ी राज्यों में विकास का क्या पैमाना होना चाहिए? अगर विकास के नाम पर कहीं निर्माण गतिविधियां आवश्यक हों तो वह नियोजन के साथ ही आपदाओं को झेलने में सक्षम होनी चाहिए। आम तौर पर देखा गया है कि इन राज्यों में पर्यटन एवं धार्मिक यात्राओं को बढ़ावा देने के नाम पर ऐसी बड़ी-बड़ी इमारतें खड़ी हो गईं जो न सिर्फ बाढ़ और भूस्खलन झेलने में अक्षम साबित हुईं, बल्कि पर्यावरण के हिसाब से भी नुकसानदेह रही हैं। ऐसे निर्माण में सरकारी स्तर पर सतर्कता की जो उम्मीद की जाती है, उसे नजरअंदाज किया गया।नेपाल और हिमालयी क्षेत्र में समय-समय पर अत्यधिक वर्षा, बाढ़, भूस्खलन और हिमस्खलन जैसी प्राकृतिक आपदाओं ने यह चेतावनी दी है कि पर्वतीय पारिस्थितिकी के साथ छेड़छाड़ के परिणाम गंभीर हो सकते हैं।



हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है।हिमालय केवल पर्वतों की एक शृंखला नहीं है, वह भारत की सांस्कृतिक चेतना, आध्यात्मिक आस्था और प्राकृतिक जीवन का आधार है। उसकी चोटियों में तप की स्मृतियां हैं, उसकी नदियों में करोड़ों लोगों की जीवनधारा बहती है और उसकी घाटियों में असंख्य धार्मिक स्थल सदियों से श्रद्धालुओं को आकर्षित करते रहे हैं। हिमाचल प्रदेश सहित पूरे हिमालयी क्षेत्र में हिंदू धर्म के अनेक प्रमुख तीर्थस्थल हैं। इन स्थानों पर पहुंचना श्रद्धालुओं के लिए आस्था का विषय है, लेकिन दुर्भाग्य यह है कि पिछले कुछ वर्षों में तीर्थयात्रा और पर्यटन के बीच की सीमा धुंधली होती जा रही है। दर्शन और आध्यात्मिक अनुभूति के साथ मनोरंजन, मौज-मस्ती और उपभोक्तावादी जीवनशैली का प्रवेश पहाड़ों की संवेदनशीलता पर भारी पड़ रहा है। हिमालय की सबसे बड़ी विशेषता ही उसकी सबसे बड़ी कमजोरी भी है। यहां का पर्यावरण अत्यंत नाजुक है। ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मिट्टी की परत पतली है, वनस्पतियों की पुनरुत्पादन क्षमता सीमित है और कचरे के प्राकृतिक रूप से नष्ट होने की प्रक्रिया मैदानी क्षेत्रों की तुलना में बहुत धीमी है। इसके बावजूद हम हजारों-लाखों लोगों को एक साथ इन क्षेत्रों में पहुंचा रहे हैं। वाहनों की लंबी कतारें, पार्किंग का दबाव, होटल और ढाबों का अनियोजित विस्तार, प्लास्टिक की बोतलें, खाद्य पदार्थों के रैपर, पॉलीथिन और डिस्पोजेबल सामग्री पहाड़ों की प्राकृतिक सुंदरता और पर्यावरण को लगातार चोट पहुंचा रहे हैं। इतिहासजानेंचारधाम यात्रा के दौरान इस वर्ष सितंबर के मध्य तक 800 टन से अधिक कचरा एकत्र होने की सूचना इस संकट की गंभीरता को सामने रखती है। केदारनाथ जैसे अत्यंत संवेदनशील क्षेत्र में अप्रैल से अगस्त के बीच 50.30 टन कचरा जमा होना विशेष चिंता का विषय है। यह तथ्य इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि ऊंचाई वाले क्षेत्रों में फेंकी गई एक प्लास्टिक बोतल केवल एक बोतल नहीं रहती, वह लंबे समय तक पर्यावरण में मौजूद रहकर मिट्टी, जलस्रोतों और वन्यजीवन के लिए खतरा बन सकती है। विडंबना देखिए-जिस स्थान पर मनुष्य आत्मशुद्धि, संयम और त्याग की भावना लेकर जाता है, वहीं वह अपने पीछे कचरे का निशान छोड़ आता है। क्या ऐसी यात्रा को वास्तव में तीर्थयात्रा कहा जा सकता है? तीर्थ का अर्थ केवल किसी मंदिर तक पहुंच जाना नहीं है। तीर्थ मनुष्य के भीतर परिवर्तन की यात्रा है। यदि मंदिर में माथा टेकने के बाद हम उसी पर्वत की गोद में प्लास्टिक फेंक दें, जिसकी पवित्रता के नाम पर वहां पहुंचे हैं, तो हमारी आस्था अधूरी रह जाती है।इस संदर्भ में कैरी मी बैक अभियान उम्मीद की एक महत्वपूर्ण किरण है। लगभग पांच हजार तीर्थयात्रियों द्वारा करीब 18 किलोमीटर के रास्ते से 12 टन से अधिक कंप्रेस्ड प्लास्टिक वापस नीचे लाना बताता है कि श्रद्धालुओं को सहभागी बनाया जाए तो वे पर्यावरण संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। यह केवल कचरा उठाने का अभियान नहीं, बल्कि तीर्थयात्रा की मानसिकता बदलने का प्रयास है। ऐसे अभियानों को व्यापक स्वरूप देकर हिमाचल, उत्तराखंड और अन्य हिमालयी तीर्थ क्षेत्रों में लागू किया जाना चाहिए। अमरनाथ यात्रा से मिला अनुभव भी सकारात्मक दिशा दिखाता है। पुनः उपयोग किए जाने वाले बर्तनों और पानी भरने की सुविधाओं के विस्तार के कारण यात्रियों की संख्या में 17 प्रतिशत वृद्धि के बावजूद प्रति यात्री कचरे में 15 प्रतिशत कमी आना इस बात का प्रमाण है कि सुविधाजनक और वैज्ञानिक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए तो पर्यावरणीय दबाव कम किया जा सकता है। इसलिए केवल श्रद्धालुओं से अपील करना पर्याप्त नहीं है, प्रशासन को ऐसी व्यवस्था बनानी होगी जिसमें पर्यावरण-अनुकूल व्यवहार सबसे सहज विकल्प बने।हिमाचल प्रदेश के धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर भीड़ का अनियंत्रित बढ़ना इसी व्यापक संकट का हिस्सा है। शिमला, मनाली, धर्मशाला, चामुंडा, ज्वालाजी, चिंतपूर्णी, नैना देवी और अन्य धार्मिक-पर्यटन स्थलों पर मौसम विशेष में बढ़ने वाला दबाव यातायात, जलापूर्ति, सीवेज, ठोस कचरा और स्थानीय संसाधनों पर असर डालता है। पहाड़ों की वहन क्षमता मैदानी शहरों जैसी नहीं है। इसलिए किसी भी तीर्थ या पर्यटन स्थल की लोकप्रियता को केवल अधिकाधिक लोगों को वहां पहुंचाने की सफलता के रूप में नहीं देखा जा सकता। अब समय आ गया है कि जितने अधिक पर्यटक, उतना अधिक विकास की सोच को जितना संवेदनशील पर्यावरण, उतना जिम्मेदार पर्यटन में बदला जाए। तीर्थस्थलों की वहन क्षमता का वैज्ञानिक अध्ययन हो और उसके आधार पर प्रतिदिन या मौसम के अनुसार आगंतुकों की संख्या निर्धारित की जाए। सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रभावी नियंत्रण हो, पानी के रिफिल स्टेशन बढ़ाए जाएं, बोतलों और पैकेजिंग के लिए डिपॉजिट-रिटर्न व्यवस्था लागू की जाए तथा कचरे को स्रोत पर ही अलग करने की व्यवस्था हो।

राशिफल

मेष राशिः आपका दिन सुखद रहेगा। आज आपके लिए कोई जमीन या मकान खरीदने के योग बन रहे हैं। कार्यक्षेत्र में आप मनचाहा लाभ प्राप्त करेंगे। आपके लिए स्थान परिवर्तन के योग हैं। आपका वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन उत्तम रहेगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। आपका पारिवारिक वातावरण शांतिपूर्ण रहेगा। परंतु किन्ही कारणों से थोड़ी समस्या हो सकती है। सार्वजनिक क्षेत्र में आपकी छवि के अनुसार आपको परिणाम मिलेंगे। अगर आप कोई बिजनेस करते हैं, तो आपको उसे बढ़ाने के लिए थोड़ी और मेहनत करने की जरूरत है।

मिथुन राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। समाज में आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आप अपने कारोबार में किसी नए कार्य की शुरूआत कर सकते हैं। जिसमें आप समय-समय पर नया बदलाव करेंगे। इस दौरान आप घर में कोई लग्जरी आइटम खरीदेंगे। आपकी आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। आपको दूसरों से प्रेरणा लेकर काम करने की जरूरत है।

कर्क राशिः आज का दिन आपके लिए खुशियों से भरा रहने वाला है। आप अपने बिजी दिन में से कुछ समय अपने बच्चों के लिए निकालेंगे, जिसमें उनके साथ खूब मौज-मस्ती करते हुए नजर आएंगे, इससे आपको तरोताजा महसूस होगा। आज आप माता-पिता से अपने मन की बातों को साझा करेंगे।

सिंह राशिः आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आप अपने आप को काफी तरोताजा महसूस करेंगे, जिससे आप अपने सभी कार्यों को समय पर पूरा करने में सफल होंगे। आज मित्रों की सहायता से आपको आय के अवसर मिलेंगे, जिनसे आप लाभ कमा कर आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाएंगे।

कन्या राशिः आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। परिवार का सहयोग मिलेगा और यह सीखेंगे कि धन को कैसे बचा कर रखा जाता है, जिससे भविष्य में कोई परेशानी न हो। साथ ही आज आपके ऊपर परिवार की कुछ जिम्मेदारियां सौंपी जाएंगी, जिन्हें आप पूरा करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज उच्च वर्ग के लोगों से आपका संपर्क जुड़ेगा। आज अपने पार्टनर को मनपसंद शॉपिंग करा सकते हैं। संतान पक्ष से सुखद अनुभूति होगी। माता-पिता आज बच्चों का पूरा सहयोग भी करेंगे। आप इस बात का अवलोकन करेंगे। अपनी इच्छा शक्ति के साथ अपनी भावनाओं में भी सुधार लाने की जरूरत है। इस राशि के छात्रों को प्रतियोगी क्षेत्र में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। आज आप कोई नया कारोबार शुरू करने का मन बना सकते हैं। साथ ही बड़ों की सलाह लेना उचित रहेगा। इस राशि के डांस में रुचि लेने वाले लोगों को ऊंचाइयों तक पहुंचने का जल्द मौका मिलेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन महत्वपूर्ण कार्यों में व्यस्त रहेगा। आज किसी रिश्तेदार को दिए रुपए आपको वापस मिलेंगे। सोचे हुए कार्यों में उनका इस्तेमाल करेंगे। मीडिया क्षेत्र से जुड़े लोगों को आज अच्छा लाभ मिलेगा। प्राइवेट जॉब के लोगों को आज प्रमोशन से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। वैवाहिक जीवन में आपसी लगाव बढ़ेगा।

मकर राशिः आज आपका दिन बढि?ा रहेगा। प्रतियोगी परीक्षा के छात्र अपनी तैयारी जम कर करें, जल्द अच्छे अंक हासिल होंगे। ऑफिस में फोन का उपयोग कम करें, अन्यथा आपकी छवि खराब हो सकती है। इस राशि के हृदय रोग से परेशान लोग अच्छे डॉक्टर से संपर्क करेंगे। बेवजह की भागदौड़ से आपको थकावट महसूस होगी।

कुंभ राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। नौकरी में आज आपको सुखद परिवर्तन नजर आएंगे। तैयारी कर रहे छात्रों को अच्छे अंक मिलेंगे, जिससे आप आगे बढ़ पाएंगे। आज आपका स्वास्थ्य फिट एंड फाइन रहेगा। आपकी सभी उलझनें आज समाप्त होंगी।

मीन राशिःआज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज आर्थिक स्थिति मजबूत बनेगी, आज आपकी पहले से चल रही ईएमआई आज पूरी होगी। आज फैशन डिजाइनर्स का दिन बेहतर रहेगा।

सू- दोकू क्र.187

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम
1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गो का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.186 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6

नजरिया — महेन्द्र तिवारी

शक्ति की आराधनाः मंत्रों से अधिक भावना का महत्व

शारदीय नवरात्र का आगमन वर्षा ऋतु के समापन और शीत ऋतु के आरंभ के समय होता है। प्रकृति भी इस समय एक नए रूप में सजती है और संपूर्ण वातावरण में एक नई ताजगी तथा पवित्रता का वास होता है। इन 9 रातों में माँ दुर्गा के 9 अलग अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है।

भारतवर्ष पर्वों और उत्सवों की पावन भूमि है। यहाँ मनाए जाने वाले सभी त्योहारों का अपना एक विशेष आध्यात्मिक और सांस्कृतिक महत्व है। इन सभी पर्वों में शारदीय नवरात्र का स्थान अत्यंत विशिष्ट और पवित्र माना गया है। नव का अर्थ है 9 और रात्रि का अर्थ है रातों का समूह। यह 9 रातों और 10 दिनों का एक ऐसा पावन समय है जब संपूर्ण ब्रह्मांड में आदि शक्ति माँ भगवती की विशेष कृपा बरसती है। नवरात्र केवल एक साधारण व्रत या उत्सव मात्र नहीं है, बल्कि यह मानव मन और आत्मा की शुद्धि तथा दैवीय शक्ति के संचय का एक अत्यंत दुर्लभ अवसर है। यह समय हमें हमारी आंतरिक ऊर्जा को जागृत करने और जीवन में व्याप्त अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर ज्ञान के प्रकाश की ओर ले जाने का मार्ग प्रशस्त करता है।शारदीय नवरात्र का आगमन वर्षा ऋतु के



समापन और शीत ऋतु के आरंभ के समय होता है। प्रकृति भी इस समय एक नए रूप में सजती है और संपूर्ण वातावरण में एक नई ताजगी तथा पवित्रता का वास होता है। इन 9 रातों में माँ दुर्गा के 9 अलग अलग स्वरूपों की उपासना की जाती है। प्रत्येक स्वरूप का अपना एक विशेष संदेश और महत्व है। माता के यह रूप हमें जीवन के विभिन्न चरणों और संघर्षों में साहस, धैर्य, करुणा और विजय की प्रेरणा देते हैं। शक्ति की उपासना का यह पर्व हमें यह सिखाता है कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए शक्ति का होना अत्यंत आवश्यक है। बिना शक्ति के शांति और प्रगति की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। यह शक्ति केवल शारीरिक नहीं है, बल्कि मानसिक और आत्मिक भी है।अखबार हिन्दी मिलाप में प्रकाशित आराम से नामक स्तंभ में दी गई पूजन विधि के अनुसार, नवरात्र की उपासना अत्यंत सरल, क्रमबद्ध और भावपूर्ण है। किसी भी शुभ और मांगलिक कार्य का आरंभ सदैव विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश के पूजन से ही होता है। नवरात्र की उपासना में भी सबसे पहले भगवान गजानन का स्मरण और पूजन करना अनिवार्य माना गया है। साधक अपने हाथ में पवित्र जल, अक्षत अर्थात बिना टूटे हुए चावल, और पुष्प लेकर संकल्प करता है। संकल्प एक प्रकार की दृढ़ प्रतिज्ञा है। साधक माता से प्रार्थना करता है कि हे जगदम्बे, मैं इस पवित्र पूजन और व्रत के माध्यम से अपने संकल्प को पूर्ण करने के लिए आपका हृदय से आह्वान करता हूँ। संकल्प के पश्चात जल, अक्षत और कुमकुम से विधि विधान के साथ पूजन की शुरूआत होती है।पूजन के मुख्य क्रम में सबसे पहला चरण माता का आह्वान और ध्यान है। साधक अपनी आँखें बंद करके माँ भगवती के उस दिव्य और भव्य स्वरूप का ध्यान करता है, जब भगवान विष्णु योगनिद्रा में लीन थे और माता ने प्रकट होकर सृष्टि की रक्षा के लिए मधु और कैटभ नामक भयंकर राक्षसों का वध किया था। ध्यान का यह चरण मन को सांसारिक चिंताओं से मुक्त करके पूरी तरह से माता के चरणों में केंद्रित करने का एक माध्यम है। जब मन पूरी तरह से एकाग्र हो जाता है, तब माता की उपस्थिति का अनुभव हृदय में होने लगता है।ध्यान के उपरांत माता को स्नान कराने की प्रक्रिया होती है। सर्वप्रथम शुद्ध और पवित्र जल से माता की प्रतिमा या यंत्र को स्नान कराया जाता है। इसके पश्चात पंचामृत से स्नान कराया जाता है। पंचामृत 5 अत्यंत पवित्र वस्तुओं का मिश्रण होता है जिसमें गाय का दूध, दही, घी, शहद और शर्करा मिलाई जाती है। स्नान कराते समय साधक यह भाव रखता है कि हे महादेवी, दूध, दही, घी, शहद और शर्करा के मिश्रण से तैयार यह उत्तम पंचामृत आपकी सेवा में प्रस्तुत है, कृपया इसे स्वीकार करें।

विचार — अजय दीक्षित

ज्ञानेश के इस्तीफे तक राहुल आंदोलन जारी रखेंगे



लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चुनाव आयोग मुख्यालय की ओर विपक्षी सांसदों के मार्च के दौरान पुलिस बैरिकेड पर सहजता से चढ़कर अपनी एथलैटिक क्षमता का प्रदर्शन किया और सभी का ध्यान आक?षत किया। अपनी ट्रेडमार्क सफेद कॉलर वाली टी-शर्ट पहने राहुल बैरिकेड पर खड़े हो गए और दिल्ली पुलिस के सामने तिरंगा लहराया। उनके पीछे खड़े सैंकड़ों कांग्रेस कार्यकत्ता ज्ञानेश कुमार को गिरफ्तार करो, प्रधानमंत्री इस्तीफा दोके नारे लगा रहे थे।इस बीच, कथित वोट चोरी के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों का नेतृत्व कर रहे कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने यह स्पष्ट कर दिया कि जब तक मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एस.आई.आर.) में कथित अनियमितताओं को लेकर इस्तीफा नहीं देते, तब तक यह आंदोलन समाप्त नहीं होगा। गांधी ने कहा कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने के लिए कांग्रेस और इंडिया गठबंधन सड़कों पर उतरना, गिरफ्तारियां देना और कानूनी मुकद्दमों का सामना करना जारी रखेंगे।कांग्रेस-सपा में सीट-बंटवारे को लेकर घमासान : 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव से पहले, कांग्रेस समाजवादी पार्टी पर सीटों के बड़े हिस्से के लिए अत्यधिक दबाव बनाने के उद्देश्य से छोटे विपक्षी दलों को अपने साथ जोडने की तैयारी में जुट गई है। अपनी जनता पार्टी के स्वामी प्रसाद मौर्य, अन्य पिछड़ा वर्ग ओ.बी.सी. चौहान समाज का प्रतिनिधित्व करने वाली पार्टी के प्रमुख संजय चौहान और अपना दल (कैमरावादी) के नेता पंकज निरंजन ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी, जिससे उनके जल्द ही कांग्रेस के साथ हाथ मिलाने की तीव्र अटकलों को हवा मिली है।

ज्ञानेश संकट के दौर में गणपति सुमिरन

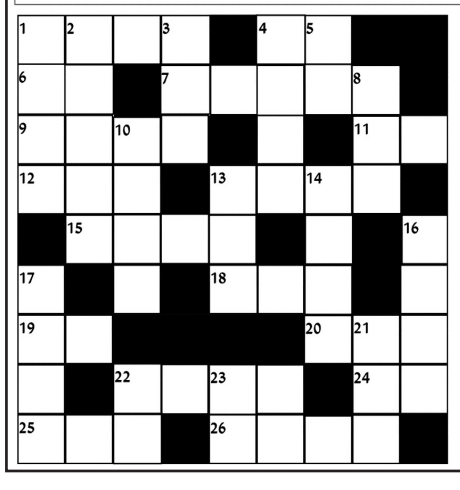
भाजपावाले कह सकते हैं कि हम कहां आपको तंग करते हैं? बरसों पहले आपको दूध पिलाया था। उसके बाद आज ही तो याद किया है।जब विपक्ष यह आरोप लगाते हुए दिल्ली से लेकर मुंबई तक बवाल काटे हुए है कि ज्ञानेश कुमार चुनाव जीतने में भाजपा की मदद कर रहे हैं, तब भाजपा कह रही है कि नहीं भइया, ज्ञानेश हमारी मदद नहीं कर रहे हैं, हमारी मदद तो गणेशजी कर रहे हैं। गणेश चतुर्थी अभी-अभी तो गई है और अगले वर्ष फिर आने का न्यौता देते हुए उनका विसर्जन कर भक्तजन बस घर लौटे ही हैं। लेकिन भाजपा ने साल भर इंतजार नहीं किया। वह हफ्ते-दस दिन में ही गणेशजी को फिर ले आई कि हे विघ्नहर्ता, आओ, हमारे विघ्न हरो। गणेशजी पता नहीं यह शिकायत करेंगे या नहीं कि यारो, थोड़ा तो आराम करने दो। लेकिन इस पर भाजपावाले कह सकते हैं कि हम कहां आपको तंग करते हैं? बरसों पहले आपको दूध पिलाया था। उसके बाद आज ही तो याद किया है।गणेशजी ने यह शिकायत बिल्कुल भी नहीं की कि बीच में विज्ञान कांग्रेस में मोदीजी ने हमारी सर्जरी की पुरातन परंपरा की बात करते हुए उन्हें याद क्यों नहीं किया था। कोई तो था, जिसने इंसान के सिर पर हाथी का सिर लगाकर भारतीय विज्ञान को इतनी ऊँचाई दी थी। लेकिन वह भी तो बरसों पुरानी बात हो गई।गणेशजी ने यह शिकायत भी नहीं की कि उन्हें संबित पात्रा ने क्यों याद किया। वे तो जय जगन्नाथ वाले हैं। उन्होंने जय जगन्नाथ की इतनी महिमा गाई कि कुछ दिन तो खुद मोदीजी भी जय जगन्नाथ का ही उद्घोष करते रहे, जब तक कि ओडिशा का चुनाव नहीं जीत गए।खैर, अभी तक तो यही माना जाता था कि चुनाव जीतने में रामलला ही भाजपा की मदद करते हैं। बल्कि इतनी मदद करते हैं कि जय श्रीराम का नारा लगाकर न महंगाई के लिए जवाब देने की जरूरत रहती है और न ही बेरोजगारी के लिए। संसद में ही इतना जय श्रीराम का नारा लगता है कि डर लगा रहता है कि कहीं अध्यक्षजी इसे ध्वनिमत करार देकर कोई कानून ही पारित घोषित न कर दें।विपक्षवालों को हमेशा इस बात की कुढ़न रहती है कि भाजपावाले जब चाहें, रामजी का इस्तेमाल कर लेते हैं। भाजपा उनकी इस कुढ़न का खूब मजा लेती है। कई बार तो वह विपक्षवालों को इस तरह चिढ़ाने लगती है, जैसे रामजी तो भाजपा के ही ठहरे, फिर ये लोग उन्हें भाजपा से क्यों छीनना चाहते हैं!अब उन्हें कौन समझाए कि यारो, क्यों चिंता करते हो? बेचारे विपक्षवाले तुम्हारे विधायक और सांसद तो तोड़ नहीं पाते, राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग तो करा नहीं पाते। रामजी को वे तुमसे क्या तोड़ लेंगे !खैर, इधर उन्होंने रामजी को उस तरह से बिल्कुल भी याद नहीं किया कि दुख में सुमिरन सब करें।

शब्द सामर्थ्य -187

(भागवत साहू)

बाएं से दाएं
1. जल छिड़कना, राजा के सिंहासन रोहन का अनुष्ठान 4. मवाद, पीब (अं) 6. जाति 7. हाथ से धीरे-धीरे ठोंकना, थपकना 9. कमल रोग से ग्रसित व्यक्ति (उ.) 11. किरण 12. छौंक, तड़का 13. दुखदायी, दर्दनाक 15. विवाद, कहासुनी, तकरार 18. समूह, दल, समुदाय 19. दण्ड 20. काजल 22. अनाथ, निराश्रित, यतीम 24. दुख, शोक 25. एक प्रसिद्ध सफेद पक्षी, वक 26. राज्य का विदेश में प्रतिनिधि।

ऊपर से नीचे
1. विचित्र, अद्भूत 2. अंदर ही अंदर हानि पहुंचाना 3. वचन, वाणी 4. गुमराह, जो रास्ते से भटक गया हो 5. मुलायम सिंह की पार्टी का संक्षिप्त नाम 8. ब्रह्मापुत्र एक प्रसिद्ध देवर्षि 10. कार्यावली, करस्तानी, प्रशंसनीय कार्य 13. दासी, नौकरानी, बांदी, गुलाम स्त्री 14. प्रवृत्त करने वाला, प्रेरित करने वाला, आविष्कारक 16. श्रीकृष्ण के बड़े भाई, हलधर 17. सामान (उ.) 21. संसार, दुनिया 22. समय, चमेली की जाति का एक पौधा और फूल 23. पराजित, परास्त।



शब्द सामर्थ्य क्रमांक 186 का हल

दि	क्र	त	■	आ	सा	न	■	आ
ल	■	मी	■	खि	■	सी	ख	ना
■	म	ज	बू	र	■	ह	■	जा
स	र्द	■	■	का	■	त	रा	ना
र	■	■	■	र	वि	■	ह	■
प	ह	ना	ना	■	ना	रा	ज	■
ट	■	■	क	शि	श	■	नी	ला
■	र	■	■	का	■	रा	■	य
खा	ति	र	दा	री	■	त	क्ष	क

विजय शर्मा ने 78.51 लाख रुपये के सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्यों का किया भूमिपूजन

धरमपुरा और बिरकोना में बुनियादी सुविधाओं का होगा विस्तार

कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं के विस्तार और विकास कार्यों को गति देते हुए मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना के अंतर्गत कुल 78.51 लाख रुपये की लागत से सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्यों का विधिवत भूमिपूजन किया। इस अवसर पर क्षेत्र की महिलाओं की सहभागिता के साथ भूमिपूजन कार्यक्रम संपन्न हुआ। भूमिपूजन के साथ ही दोनों निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिए गए। इन निर्माण कार्यों के पूर्ण होने से ग्रामीणों को आवागमन में सुविधा मिलेगी तथा व्यवस्थित नाली निर्माण से जल निकासी व्यवस्था बेहतर होगी। इससे गांवों में सड़क एवं नाली जैसी बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा और ग्रामीणों को दैनिक आवागमन में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी।



मुख्यमंत्री गौरव पथ योजना के अंतर्गत ग्राम धरमपुरा में मानिकचैरी मेन रोड से धान खरीदी केंद्र एवं गौठान तक 49.74 लाख रुपये की लागत से 0.500 किलोमीटर लंबाई में सीसी सड़क सह नाली का निर्माण किया जाएगा। इस निर्माण कार्य से ग्रामीणों को आवागमन की बेहतर सुविधा मिलेगी। साथ ही सड़क के किनारे नाली निर्माण होने से जल निकासी व्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी। इसके साथ ही ग्राम बिरकोना में 28.77 लाख रुपये की लागत से 0.25 किलोमीटर लंबाई में सीसी सड़क सह नाली निर्माण कार्य कराया जाएगा। उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने संबंधित अधिकारी और ठेकेदार को गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने बताया कि मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों के विकास और बुनियादी सुविधाओं के विस्तार पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। इसी कड़ी में ग्राम बिरकोना में 1 करोड़ 2 लाख 96 हजार रुपये तथा ग्राम धरमपुरा में 1 करोड़ 24 लाख 7 हजार रुपये की लागत से विभिन्न विकास कार्य कराए गए हैं। इसके साथ ही दोनों गांवों में सैकड़ों प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण भी किया गया है, जिससे ग्रामीण परिवारों को पक्के मकान की सुविधा मिली है। सरकार का उद्देश्य गांवों में सड़क, नाली, आवास सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं का विस्तार कर ग्रामीणों के जीवन को और अधिक सुविधाजनक बनाना है।

उप मुख्यमंत्री एवं कवर्धा विधायक श्री विजय शर्मा ने कहा कि कवर्धा विधानसभा क्षेत्र के विद्यार्थियों को बेहतर शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग उपलब्ध कराने की पहल की जा रही है। इसके तहत स्कूलों में लगाई गई स्क्रीन के माध्यम से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ करियर काउंसलिंग और कोचिंग की सुविधा भी मिलेगी।विधानसभा क्षेत्र के कुल 85 स्कूलों में से अब तक 50 स्कूलों में स्क्रीन लगाई जा चुकी हैं। शेष 35 स्कूलों में भी स्क्रीन लगाने की योजना है। इसके अलावा क्षेत्र के सभी 8 छात्रावासों में भी यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस पहल के तहत देश के प्रमुख ऑनलाइन शिक्षा संस्थानों में शामिल फिजिक्स वाला के माध्यम से विद्यार्थियों को कोचिंग उपलब्ध कराने के लिए बातचीत की गई है। योजना के अनुसार, विद्यार्थियों को स्कूलों और छात्रावासों में ही स्क्रीन के माध्यम से ऑनलाइन कोचिंग की सुविधा मिलेगी।

कार्टून फेस्टीवल आज : सीएम साय कार्टून बनाकर करेंगे उद्घाटन

जयपुर के कार्टूनिस्ट को मिलेगा लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड

रायपुर ■ दैनन्दिनी



देश की एकमात्र कार्टून पत्रिका कार्टून वॉच अपने 31वें वर्ष में प्रवेश करने वाली है और इस अवसर पर हर साल की तरह राजधानी रायपुर में कार्टून फेस्टीवल आयोजित किया जा रहा है. कार्टून वॉच के सम्पादक त्रयम्बक शर्मा ने जारी विज्ञप्ति में बताया कि यह आयोजन 13 अक्टूबर को रायपुर के एक निजी होटल में आयोजित होगा और इसके मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय होंगे. उल्लेखनीय है कि कार्टून फेस्टीवल में मुख्य अतिथि स्वयं सांकेतिक कार्टून बनाकर कार्यक्रम का उद्घाटन करते हैं. इस आयोजन में विशेष अतिथि के रूप में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल और अतिथि वक्ता के तौर पर वरिष्ठ पत्रकार डॉ हिमांशु द्विवेदी मौजूद रहेंगे. इसके अलावा कार्टून वॉच की यात्रा को करीब से देखने वाले पुराने कार्टूनिस्ट और पत्रकार भी अपनी बात रखेंगे.

श्री शर्मा ने बताया कि इस साल जयपुर के वरिष्ठ कार्टूनिस्ट अभिषेक तिवारी को कार्टून वॉच का लाईफ टाईम एचीवमेंट अवार्ड प्रदान किया जायेगा. उल्लेखनीय है कि पूर्व में यह अवार्ड अनेक बड़ी हस्तियों को प्रदान किया जा चुका है जिसमें कार्टूनिस्ट बाला साहेब ठाकरे, आर.के.लक्ष्मण, सुधीर तैलंग, आबिद सुरती, प्राण, काक, अजीत नैनन प्रमुख हैं. इस आयोजन के मुख्य अतिथि डॉ एपीजे अब्दुल कलाम भी रह चुके हैं. यह देश का अकेला आयोजन है जो हर साल होता है और इसमे दूसरे राज्य के कार्टूनिस्ट छत्तीसगढ़ आते हैं. यह कार्यक्रम राज्य सरकार और छ.ग. पर्यटन मण्डल के सहयोग से किया जाता है.

तीरंदाजी में महासमुंद के तीरंदाजों ने साधा निशाना, पदकों की लगाई झड़ी



महासमुंद। बिलासपुर में आयोजित राज्य स्तरीय शालेय खेल प्रतियोगिता में महासमुंद के तीरंदाजों ने पदकों की झड़ी लगाते हुए जिले का मान बढ़ाया है। 7 से 10 अक्टूबर तक हुई प्रतियोगिता में रायपुर संभाग से जिले के 31 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। तीरंदाजी में डोमेश्वरी साहू ने तीन स्वर्ण पदक अपने नाम कर तहलका मचा दिया, वहीं बॉल आश्रम बिहाझर बागबाहरा के खिलाड़ियों ने अकेले 12 पदक जीतकर शानदार प्रदर्शन किया। उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर डोमेश्वरी साहू, दुर्गेश्वरी साहू सहित कई खिलाड़ियों का चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

डोमेश्वरी ने जीते तीन स्वर्ण पदक

बालिका 19 वर्ष वर्ग में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरिंग की डोमेश्वरी साहू ने रिकर्व राउंड में 70 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने स्कोरिंग-1 में स्वर्ण, स्कोरिंग-2 में स्वर्ण तथा ओवरऑल स्कोरिंग में भी स्वर्ण पदक हासिल किया। इस प्रदर्शन के साथ उनका चयन राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

इसी तरह बालिका 17 वर्ष वर्ग के कंपाउंड राउंड में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भोरिंग की दुर्गेश्वरी साहू ने 50 मीटर व्यक्तिगत स्पर्धा की ओवरऑल स्कोरिंग में चौथा स्थान प्राप्त किया और राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुईं।

बिहाझर के खिलाड़ियों ने जीते 12 पदक

बॉल आश्रम बिहाझर, बागबाहरा में नियमित तीरंदाजी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे खिलाड़ियों ने भी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया। यहां से चांदनी साहू (पिता बलदेव साहू) ने तीन स्वर्ण, वैशाली साहू ने तीन रजत, कमलेश साहू ने तीन कांस्य तथा चांदनी साहू (पिता टेकचंद साहू) ने तीन स्वर्ण पदक हासिल किए। इन खिलाड़ियों ने कुल 12 पदक जीतकर जिले का गौरव बढ़ाया।

इसके अलावा जया कुमारी पहाटिया और गजेंद्र निषाद ने अपनी-अपनी स्पर्धाओं की ओवरऑल स्कोरिंग में चौथा स्थान हासिल किया। दोनों का चयन भी राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए हुआ है।

संलग्नीकरण व्यवस्था समाप्ति के बाद भी शिक्षकों की समस्या बरकरार

दो साल से गणित के व्याख्याता के बिना पढ़ाई

गरियाबंद (दैनंदिनी ब्यूरो)। छत्तीसगढ़ के लोक शिक्षण संचालनालय, नवा रायपुर द्वारा शिक्षा विभाग में संलग्नीकरण व्यवस्था समाप्त किये जाने के बाद भी गरियाबंद जिले में शिक्षकों की पदस्थापना और संलग्नीकरण को लेकर समस्यायें सामने आ रही हैं। इसका असर अब विद्यार्थियों की पढ़ाई पर भी पड़ने लगा है।

आपको बता दें कि शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैनपुर, जिला गरियाबंद में पदस्थ श्रीमती लक्ष्मी देवांगन, व्याख्याता (एल.बी) विषय गणित को शैक्षणिक व्यवस्था के तहत शैक्षिणिक सत्र 2024 से शासकीय हाईस्कूल मदनपुर, विकासखण्ड - गरियाबंद में संलग्न किया गया है। जबकि मैनपुर स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में पिछले दो वर्षों से गणित विषय के व्याख्याता नहीं होने के कारण विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है।

मिली जानकारी के अनुसार, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मैनपुर के प्राचार्य ने 8 अक्टूबर 2026 को पत्र के माध्यम से जिले के उच्चाधिकारियों से इस स्थिति में मार्गदर्शन प्रदान करने का आग्रह किया है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि विद्यालय में विगत दो वर्षों से गणित विषय के व्याख्याता नहीं होने के कारण विद्यार्थियों को अध्ययन-अध्यापन में अत्यंत परेशानी हो रही है। गणित विषय की पढ़ाई पूरी तरह प्रभावित हो रही है।

संलग्नीकरण पर रोक, फिर भी समाधान का इंतजार

शिक्षा विभाग में संलग्नीकरण व्यवस्था समाप्त करने का उद्देश्य शिक्षकों की उपलब्धता के अनुरूप विद्यालयों में उनकी पदस्थापना सुनिश्चित करना और शैक्षणिक व्यवस्था को सुचारु बनाना है। इसके बावजूद यदि किसी विद्यालय में



दो वर्षों से गणित जैसे महत्वपूर्ण विषय के व्याख्याता का पद रिक्त है,तो यह विभागीय व्यवस्था और शिक्षकों के युक्तियुक्तकरन पर सवाल खड़े करता है।

विद्यार्थियों की पढ़ाई का नुकसान कौन भरेगा ?

बोर्ड परीक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की दृष्टि से गणित महत्वपूर्ण विषय है। ऐसे में दो वर्षों तक नियमित अध्यापन की व्यवस्था नहीं होने से विद्यार्थियों की शैक्षणिक तैयारी पर प्रतिकूल असर पड़ने की आशंका है।

एक सवाल यह भी है कि जब शासन स्तर पर संलग्नीकरण व्यवस्था समाप्त करने के निर्देश दिये जा चुके हैं, फिर भी जिले का शिक्षा विभाग विद्यालयों में विषयवार शिक्षकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिये कोई प्रभावी व्यवस्था क्यों नहीं कर पा रहा है ?

दो साल से व्याख्याता नहीं, अब दो की पदस्थापना कैसे ?

इस पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न, मैनपुर विद्यालय में गणित विषय के शिक्षकों की वास्तविक उपलब्धता और उनकी पदस्थापना को लेकर है। प्राचार्य के पत्र में दो वर्षों से गणित के व्याख्याता नहीं होने की बात कही गई है।

दूसरी ओर, प्राप्त जानकारी के अनुसार,मूल पदस्थापना के तहत व्याख्याता लक्ष्मी देवांगन का वेतन मैनपुर से ही आहरित हो रहा है और अब इसी विद्यालय में एक अन्य गणित व्याख्याता की पदस्थापना की जा रही है। यदि ऐसा कुछ हुआ तो वेतन आहरण की समस्या संभावित होगी।

कापादह में बनेगा नवीन महाविद्यालय, कैबनेट मंत्री की घोषणा, विधायक भावना बोहरा ने जताया आभार

विधायक भावना बोहरा की पहल से कुई-कुकदूर महाविद्यालयीन छात्राओं को मिली नि:शुल्क बस सेवा की सुविधा

पंडरिया/कवर्धा (दैनंदिनी ब्यूरो)। वनांचल क्षेत्र में शिक्षा, प्रशासनिक सुविधाओं, महिला सशक्तिकरण और बुनियादी विकास को नई दिशा देने के उद्देश्य से आज हेलिपैड मैदान, कुई-कुकदूर में छत्तीसगढ़ के कैबिनेट मंत्री श्री टंकराम वर्मा जी एवं पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा कुल 5 करोड़ 96 लाख 96 हजार की लागत से विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया गया इसके साथ ही पंडरिया विधायक भावना बोहरा द्वारा कुई-कुकदूर महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राओं के सुगम व सुरक्षित आवागमन सुविधा हेतु निःशुल्क बस सेवा का शुभारंभ भी किया गया। कार्यक्रम में 5000 से अधिक की संख्या में क्षेत्रवासी उपस्थित रहे, जिन्होंने तालियों की गूंज से इस सौगात के लिए माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी, कैबिनेट मंत्री श्री टंकराम वर्मा जी और पंडरिया विधायक भावना बोहरा के प्रति धन्यवाद ज्ञापित किया। इस दौरान शासकीय महाविद्यालय कुई-कुकदूर हेतु नवीन भवन, एवं ग्राम कुई व कुकदूर में महतारी सदन निर्माण कार्य का भूमिपूजन तथा तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण किया गया। इन कार्यों से वनांचल के ग्रामीणों, विद्यार्थियों, महिलाओं और आम नागरिकों को अपने ही क्षेत्र में बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी तथा विकास की मुख्यधारा से जुड़ने के नए अवसर प्राप्त होंगे।



इस अवसर पर राजस्व एवं आपदा प्रबंधन मंत्री श्री टंकराम वर्मा जी ने कहा कि प्रदेश सरकार का संकल्प है कि विकास का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और वनांचल सहित दूरस्थ क्षेत्रों के नागरिकों को भी शिक्षा, प्रशासनिक सेवाओं तथा बुनियादी सुविधाओं का लाभ उनके गाँव और घर के नजदीक ही उपलब्ध हो। कुई-कुकदूर में तहसील कार्यालय भवन, महाविद्यालय के नवीन भवन और महतारी सदनों से संबंधित कार्य क्षेत्र के विकास को नई गति देंगे। स्थानीय स्तर पर प्रशासनिक सुविधाएं उपलब्ध होने से ग्रामीणों का समय और धन बचेगा, वहीं शिक्षा के बेहतर अवसर युवाओं के भविष्य को मजबूत करेंगे। हमारी सरकार गांव, गरीब, किसान, युवा और महिलाओं के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है। हम सब मिलकर छत्तीसगढ़ के प्रत्येक क्षेत्र को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने और जनसुविधाओं को अधिक सुलभ बनाने के लिए कार्य कर रहे हैं। बेटियों की शिक्षा और महिलाओं का सशक्तिकरण एक समृद्ध समाज की आधारशिला है। विधायक भावना बोहरा जी द्वारा छात्राओं के लिए निःशुल्क बस सेवा जैसी पहल शिक्षा तक उनकी पहुंच आसान बनाएगी और परिवारों को आर्थिक राहत देगी। पूरे पंडरिया विधानसभा में विधायक भावना बोहरा द्वारा बेटियों की शिक्षा हेतु निःशुल्क बस सेवा के संचालन की पहल के सराहनीय है और मैं उन्हें बधाई देता हूँ। पंडरिया विधानसभा क्षेत्र के विकास के लिए उनकी तत्परता हो या जरूरतमंद लोगों की सहायता के लिए निःशुल्क एम्बुलेंस सेवा, युवाओं के शिक्षा के लिए लक्ष्य निःशुल्क कोचिंग, भावना दीदी की साइंस पाठशाला जैसे पहल और उनके द्वारा किये जा रहे जनसेवा के कार्य के लिए मैं उनका अभिनंदन करता हूँ।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि आज डबल इंजन भाजपा सरकार में वनांचल क्षेत्र का समग्र विकास सुनिश्चित हो रहा है। प्रत्येक परिवार को बेहतर शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, आसान प्रशासनिक सुविधाएं और सम्मानपूर्वक जीवन जीने के अवसर उपलब्ध कराना हमारी प्राथमिकता है। कुई-कुकदूर में तहसील कार्यालय भवन का लोकार्पण होने से ग्रामीणों को अपने राजस्व एवं प्रशासनिक कार्यों के लिए दूर नहीं जाना पड़ेगा। शासकीय महाविद्यालय के नवीन भवन से हमारे युवाओं को उच्च शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे और महतारी सदनों से महिलाओं को सामाजिक सहभागिता एवं सशक्तिकरण का मंच प्राप्त होगा। वनांचल क्षेत्र की बेटियां शिक्षा के क्षेत्र में आगे बढ़ें, अपने सपनों को साकार करें और आत्मनिर्भर बनें, यही हमारा संकल्प है। महाविद्यालय की छात्राओं के लिए निःशुल्क बस सेवा का शुभारंभ इसी सोच का परिणाम है। आज इस बस सेवा के शुभारंभ के साथ ही पंडरिया विधानसभा में कुल 9 निःशुल्क बस सेवा संचालित होंगी और इसके माध्यम से अब तक 1500 से अधिक बेटियों को लाभ मिला है और वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने सपनों को पूरा कर रहीं हैं। आवागमन की कठिनाइयों और आर्थिक बाधाओं के कारण किसी भी बेटी की पढ़ाई नहीं रुकनी चाहिए।

केंद्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू ने नवरात्रि पर माँ महामाया, श्री गिरजाबंध हनुमान एवं माँ डिडनेश्वरी के किए दर्शन-पूजन



लोरमी (दैनंदिनी ब्यूरो)। केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर धार्मिक आस्था एवं श्रद्धा के साथ विभिन्न प्रमुख मंदिरों में दर्शन-पूजन कर प्रदेश एवं देशवासियों की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली की कामना की।

नवरात्रि के प्रथम दिवस पर श्री साहू ने रतनपुर स्थित माँ महामाया देवी मंदिर में सपरिवार विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया। इसके पश्चात उन्होंने रतनपुर स्थित श्री गिरजाबंध हनुमान मंदिर में विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रभु हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर वे बेलतरा विधायक श्री सुशांत शुक्ला जी द्वारा आयोजित 'ध्वजा यात्रा बेलतरा-2026' में सम्मिलित हुए। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित इस धार्मिक यात्रा में श्रद्धा, भक्ति और सनातन संस्कृति के प्रति जन-आस्था का अद्भुत संगम देखने को मिला। इसी क्रम में तोखन साहू ने मस्तूरी विधानसभा क्षेत्र के मल्हार स्थित पवित्र माँ डिडनेश्वरी मंदिर में दर्शन-पूजन कर माँ का आशीर्वाद प्राप्त किया। उन्होंने माँ आदिशक्ति से प्रार्थना की कि सभी देशवासियों पर उनकी कृपा बनी रहे तथा छत्तीसगढ़ निरंतर शांति, समृद्धि और विकास के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

ग्राम मटिया में हायर सेकेंडरी स्कूल के शुभारंभ कार्यक्रम में हुए सम्मिलित

आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री, भारत सरकार श्री तोखन साहू ग्राम मटिया में हायर सेकेंडरी स्कूल के शुभारंभ कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। उन्होंने इस पहल को क्षेत्र के विद्यार्थियों के लिए बेहतर शैक्षणिक अवसरों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

श्री साहू ने कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है। हायर सेकेंडरी स्कूल की शुरुआत से विद्यार्थियों को अपनी प्रतिभा विकसित करने, उच्च शिक्षा की तैयारी करने और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने ग्राम मटिया के विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं समस्त क्षेत्रवासियों को शुभकामनाएँ देते हुए विद्यालय के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

श्रेयस अय्यर ने चकनाचूर किया एमएस धोनी का बड़ा कीर्तिमान, T20 में कप्तानी के मामले में बने नंबर-1

नई दिल्ली (एजेंसी)। T20 क्रिकेट में बड़े स्कोर बनाना और टीम को लगातार आक्रामक अंदाज में खेलने के लिए तैयार करना आसान नहीं होता। लेकिन श्रेयस अय्यर की कप्तानी में टीम इंडिया के बल्लेबाज खुलकर खेल रहे हैं और लगातार रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा रहे हैं। यही वजह है कि श्रेयस अय्यर ने अपनी कप्तानी में ऐसा रिकॉर्ड बना दिया है, जिसमें उन्होंने महेंद्र सिंह धोनी जैसे दिग्गज कप्तान को भी पीछे छोड़ दिया है।

दरअसल, श्रेयस अय्यर अब T20 क्रिकेट के इतिहास में अपनी कप्तानी में सबसे ज्यादा बार 200 या उससे अधिक रन बनाने वाली टीमों के कप्तानों की सूची में पहले स्थान पर पहुंच गए हैं। श्रेयस अय्यर की कप्तानी में अब तक 37 बार टीमें T20 मुकाबलों में 200 रन या उससे अधिक का स्कोर बना चुकी हैं।

उन्होंने इस मामले में पूर्व भारतीय कप्तान एमएस धोनी को पीछे छोड़ दिया है, जिनकी कप्तानी में 36 बार ऐसा हुआ था। खास बात यह है कि अय्यर ने यह उपलब्धि धोनी के मुकाबले काफी कम मैचों में हासिल की है। इस खास लिस्ट में विराट कोहली तीसरे स्थान पर हैं। फाफ डुप्लेसी चौथे और रोहित शर्मा 5वें स्थान पर हैं।



T20 कप्तानी में सबसे ज्यादा 200+ स्कोर

37 बार - श्रेयस अय्यर (133 मैच)
36 बार - एमएस धोनी (331 मैच)
29 बार - विराट कोहली (193 मैच)
27 बार - फाफ डु प्लेसी (235 मैच)
25 बार - रोहित शर्मा (225 मैच)

जीत के साथ भारत ने बनाई बढ़त

यह रिकॉर्ड ऐसे समय चर्चा में आया है, जब भारत ने इंदौर में वेस्टइंडीज को तीसरे T20I मुकाबले में 14 रन से हराकर 5 मैचों की सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाए थे। जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवरों में सात विकेट पर 209 रन ही बना सकी। भारत की ओर से अभिषेक शर्मा ने 30 गेंदों पर 69 रन की विस्फोटक पारी खेली। उन्होंने अपनी पारी में 6 चौके और पांच छक्के लगाए। ईशान किशन ने भी 37 रन का योगदान दिया। गेंदबाजी में अर्शदीप सिंह ने अहम भूमिका निभाई और तीन विकेट लेकर वेस्टइंडीज लक्ष्य से पहले पहले ही रोक दिया। भारतीय टीम ने अंत में 14 रन से मुकाबला अपने नाम कर लिया।

बांग्लादेश ने शारजाह में भारतीय टीम को हराकर मचाई सनसनी, 3 रन से दर्ज की रोमांचक जीत

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट में आखिरी गेंद तक मुकाबला पलटने की उम्मीद बनी रहती है और शारजाह में भारत-बांग्लादेश के बीच हुए मुकाबले में इसका रोमांच देखने को मिला। वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में खिताब की दावेदार मानी जा रही इंडिया चैंपियंस को बांग्लादेश चैंपियंस ने 3 रन से हराकर बड़ा उलटफेर कर दिया। भारत के सामने 142 रन का लक्ष्य था, लेकिन टीम निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 138 रन ही बना सकी। बांग्लादेश की जीत में बाएं हाथ के स्पिनर इनामुल हक जूनियर और डेथ ओवरों में अबू जायेद राही की गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई।





शारजाह क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बांग्लादेश की शुरुआत तेज रही और टीम ने शुरुआती दो ओवर में ही 30 रन बना दिए। हालांकि, तीसरे ओवर की पहली गेंद पर इमरुल कायेस के आउट होने के बाद उसकी पारी लड़खड़ा गई। नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से बांग्लादेश बड़ा स्कोर बनाने की स्थिति में नहीं पहुंच सका।

रॉनी तालुकदार ने 25 गेंदों पर 40 रन बनाकर बांग्लादेश को शुरुआती झटकों से उबारने की कोशिश की। लेकिन उन्हें दूसरे छोर से लगातार सहयोग नहीं मिला। कप्तान महमूदुल्लाह रियाद समेत अन्य बल्लेबाज बड़ी पारी खेलने में नाकाम रहे। इसके बाद नासिर हुसैन ने जिम्मेदारी संभाली और 21 गेंदों पर 24 रन बनाकर टीम को सहारा दिया। लंबे समय बाद बांग्लादेश की जर्सी में खेल रहे नासिर ने दबाव के बीच उपयोगी पारी खेली। आराफात सनी ने भी अहम योगदान दिया। उन्होंने 38 गेंदों पर 37 रन बनाए, जिससे बांग्लादेश की टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 141 रन तक पहुंच गई। भारत की ओर से पीयूष चावला सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने तीन विकेट लिए। पवन नेगी और ऋषि धवन को दो-दो सफलताएं मिलीं।

इनामुल ने बरपाया कहर

142 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी इंडिया चैंपियंस की शुरुआत बेहद खराब रही। अंबाती रायडू सिर्फ चार रन के कुल स्कोर पर आउट हो गए। इसके बाद स्टुअर्ट बिन्नी और कप्तान युवराज सिंह भी ज्यादा देर नहीं टिक सके। बांग्लादेश के गेंदबाजों ने लगातार विकेट लेकर भारत पर दबाव बढ़ा दिया। रॉबिन उथप्पा और यूसुफ पठान के विकेट गिरने तक भारत का स्कोर 55 रन भी नहीं पहुंचा था। ऋषि धवन ने 18 गेंदों पर 24 रन बनाकर मुकाबले में वापसी की उम्मीद जगाई, लेकिन इनामुल हक जूनियर ने उनका विकेट लेकर भारत को एक और झटका दिया।

अजीबोगरीब तरीके से रन आउट हुए तिलक वर्मा चौका समझकर रुक गए थे दोनों बल्लेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। क्रिकेट में कई बार एक छोटी-सी गलतफहमी भारी पड़ जाती है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच तीसरे T20I मुकाबले में तिलक वर्मा के साथ कुछ ऐसा ही हुआ। गेंद को चौका समझकर तिलक वर्मा और अक्षर पटेल ने दौड़ना बंद कर दिया और आपस में बातचीत करने लगे। दोनों को लगा कि गेंद बाउंड्री पार जा चुकी है, लेकिन वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने मौके को हाथ से नहीं जाने दिया। नतीजा यह हुआ कि तिलक वर्मा को अपना विकेट गंवाना पड़ा।

तिलक वर्मा को भारी पड़ी गलती

यह घटना इंदौर में खेले गए मुकाबले के 17वें ओवर में हुई। वेस्टइंडीज के गेंदबाज गुडाकेश मोती ने लेग स्टंप के बाहर फुलटॉस गेंद फेंकी, जिस पर अक्षर पटेल ने जोरदार फ्लिक शॉट खेला। दोनों बल्लेबाजों ने शुरुआत में एक रन पूरा किया, लेकिन इसके बाद उन्हें लगा कि गेंद बाउंड्री तक पहुंच गई है। इसी गलतफहमी में दोनों ने दूसरा रन लेने की कोशिश करने के बजाय पिच के बीच में रुककर बातचीत शुरू कर दी। यहां तक कि दोनों ने एक-दूसरे को मुक्का मारकर बधाई भी दी। हालांकि, गेंद बाउंड्री के बाहर नहीं गई थी और खेल जारी था। वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों ने तुरंत स्थिति को भांप लिया। विकेटकीपर श होप ने गेंद पकड़कर स्ट्राइकर छोर पर अक्षर पटेल को रन आउट करने की कोशिश की और फिर गेंद मोती की ओर फेंक दी। मोती ने गेंद लेकर नॉन-स्ट्राइकर छोर की गिल्लियां बिखेर दीं। थर्ड अंपायर ने रिप्ले देखने के बाद तिलक वर्मा को रन आउट करार दिया। अक्षर पटेल समय रहते अपनी क्रीज में पहुंच गए थे, लेकिन तिलक क्रीज से काफी दूर रह गए। क्रिकेट में इस तरह की गलतफहमी का यह पहला मामला नहीं है। साल 2011 में भारत और इंग्लैंड के बीच ट्रेंट ब्रिज टेस्ट के दौरान इंग्लैंड के बल्लेबाज इयान बेल भी इसी तरह रन आउट हो गए थे। उन्हें लगा कि उनके साथी इयोन मॉर्गन का शॉट चौके के लिए चला गया है। इसी गलतफहमी में वह क्रीज छोड़कर बातचीत करने लगे, जबकि गेंद खेल में थी।

अर्शदीप सिंह ने रचा इतिहास, T20I क्रिकेट में टिम साउदी का कीर्तिमान किया ध्वस्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ इंदौर में मिली शानदार जीत भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह के लिए भी खास बन गई। भारतीय टीम को जीत दिलाने में तेज गेंदबाज अर्शदीप का अहम योगदान रहा। उन्होंने सबसे ज्यादा 3 विकेट अपने नाम किए। इस तरह उन्होंने T20 इंटरनेशनल क्रिकेट की दूसरी पारी में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले तेज गेंदबाज बनने का रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप के नाम अब 84 विकेट हैं। उन्होंने न्यूजीलैंड के धाकड़ गेंदबाज टिम साउदी का कीर्तिमान ध्वस्त करते हुए ये बड़ी उपलब्धि हासिल की।

अर्शदीप की धारदार गेंदबाजी की बदौलत भारत ने तीसरे T20I मुकाबले में वेस्टइंडीज को 14 रन से हराया। भारतीय टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 223 रन बनाए थे। जवाब में



वेस्टइंडीज की टीम 20 ओवर में 209 रन ही बना सकी। हेटमायर ने 43 रन की पारी खेली, लेकिन वह अपनी टीम को जीत तक नहीं पहुंचा सके। अर्शदीप ने 44 रन देकर तीन विकेट झटके। इस शानदार प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड से नवाजा गया।

भारत को आखिरकार वेस्टइंडीज के खिलाफ मौजूदा दौरे पर छठे प्रयास में पहली बार बड़ा स्कोर बचाने में सफलता मिली। पिछले कुछ मुकाबलों में बड़े लक्ष्य भी सुरक्षित नहीं रहे थे, ऐसे में इंदौर में 223 रन का स्कोर भी आसान नहीं माना जा रहा था। हालांकि, पिच पर कम उछाल के कारण बल्लेबाजों के लिए बड़े शॉट खेलना चुनौतीपूर्ण था और अभिषेक शर्मा की पारी भारत के लिए निर्णायक साबित हुई।

अभिषेक ने महज 30 गेंदों में 69 रन ठोक दिए। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी ने भारत को मजबूत शुरुआत दिलाई और टीम को प्रतिस्पर्धी स्कोर तक पहुंचाया। ईशान किशन ने भी 37 रन का योगदान दिया। हालांकि, अभिषेक के आउट होने के बाद भारतीय पारी की रफ्तार धीमी पड़ गई। टीम ने 8.1 ओवर में एक विकेट पर 115 रन बना लिए थे, लेकिन इसके बाद 135 रन तक पहुंचते-पहुंचते पांच विकेट गंवा दिए। भारत बड़ा स्कोर खड़ा करने का मौका पूरी तरह नहीं भुना सका और पूरी टीम 223 रन पर आउट हो गई।

लक्ष्य का पीछा करने उतरी वेस्टइंडीज की टीम ने भी रन बनाने की कोशिश की, लेकिन भारतीय गेंदबाज नियमित अंतराल पर विकेट निकालते रहे। अर्शदीप ने डेथ ओवरों में नई गेंद से शे होप को जल्दी आउट कर भारत को अहम सफलता दिलाई। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने ऐसी रणनीति अपनाई कि कैरेबियाई टीम लक्ष्य के करीब पहुंचने के बावजूद मुकाबले पर पकड़ नहीं बना सकी।

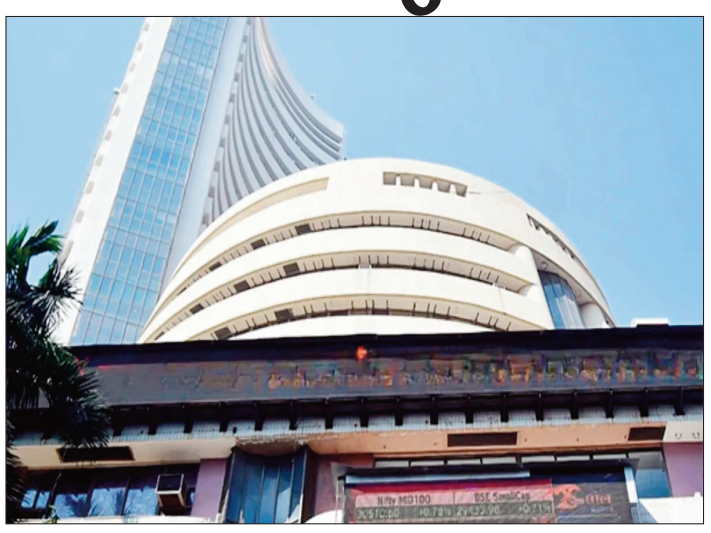
अक्षर पटेल ने रांची में महंगे साबित होने के बाद वापसी करते हुए मध्य ओवरों में रन गति पर लगाम लगाई। पार्ट-टाइम गेंदबाज नमन धीर और नीतीश कुमार रेड्डी ने भी अपनी जिम्मेदारी निभाई।

व्यापार

सेंसेक्स-निफ्टी की शानदार शुरुआत, 1900 से ज्यादा शेयरों में बढ़त

रिलायंस और TCS समेत इन दिग्गज शेयरों में खरीदारी

मुंबई (एजेंसी)। कारोबारी हफ्ते के पहले दिन यानी सोमवार को भारतीय शेयर बाजार की शुरुआत जबरदस्त तेजी के साथ हुई। वैश्विक बाजार से मिले-जुले संकेतों के बीच घरेलू बाजार में चौतरफा लिवाली देखने को मिली। सत्र की शुरुआत होते ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का सेंसेक्स 350 से ज्यादा अंकों की छलांग लगाकर 72,800 के पार निकल गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) का निफ्टी 22,600 का स्तर पार करने में कामयाब रहा। बाजार में आई इस बढ़त में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, बजाज ऑटो और एचसीएल टेक जैसे भारी वजन वाले शेयरों का अहम योगदान रहा।



शुरुआती कारोबार में ही बाजार का सेंटिमेंट पूरी तरह से बुल्स (खरीदारों) के पक्ष में रहा। सेंसेक्स 361.65 अंक यानी 0.50 प्रतिशत की मजबूती के साथ 72,833.98 के स्तर पर कारोबार करता दिखा। वहीं, निफ्टी 122.05 अंक या 0.54 प्रतिशत उछलकर 22,642.50 के स्तर पर पहुंच गया। बाजार में बढ़ने और घटने वाले शेयरों का अनुपात बेहद मजबूत नजर आया। शुरुआती कारोबार में 1,921 शेयरों में तेजी दर्ज की गई, जबकि केवल 733 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए और 220 शेयरों की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सेक्टरवार प्रदर्शन की बात करें तो ऑटो, एनर्जी, रियल्टी और इंफ्रा में अच्छी लिवाली देखी गई।

निफ्टी एनर्जी में 0.76%, निफ्टी रियल्टी में 0.54%, निफ्टी पीएसई में 0.71% और निफ्टी इंफ्रा में 0.43% की बढ़त देखने को मिली। वहीं, निफ्टी बैंक (-0.15%), निफ्टी पीएसयू बैंक (-0.25%), निफ्टी आईटी (-0.05%) और निफ्टी एफएमसीजी (-0.16%) में हल्की सुस्ती और बिकवाली दर्ज की गई।

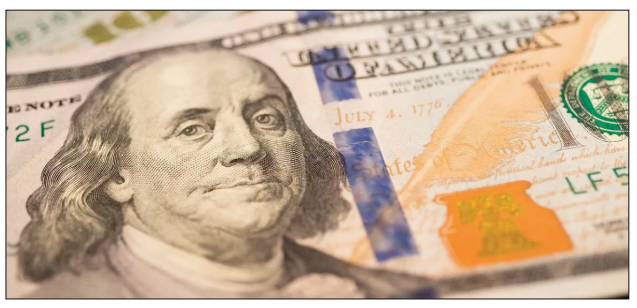
आज के शुरुआती सत्र में बजाज ऑटो सबसे ज्यादा चढ़ने वाले शेयरों में शामिल रहा। बजाज ऑटो (+2.92%), बीएसई (+1.71%), महिंद्रा एंड महिंद्रा (+1.33%), बीईएल (+1.18%), डॉ रेड्डीज (+1.08%), एचसीएल टेक्नोलॉजीज (+0.33%), रिलायंस इंडस्ट्रीज (+0.26%), टीसीएस (+0.20%), इंटरग्लोब एविएशन (इंडिगो) और जियो फाइनेंशियल सर्विस बढ़त के साथ ट्रेड करते दिखे। दूसरी ओर टेक महिंद्रा (-4.27%), एक्सिस बैंक (-0.94%), आईटीसी (-0.94%), भारती एयरटेल (-0.76%), एसबीआई (-0.66%) और आईसीआईसीआई बैंक (-0.46%) में बिकवाली का दबाव देखा गया।

एक झटके में डॉलर के मुकाबले 1% से ज्यादा मजबूत हुआ भारतीय रुपया

मुंबई (एजेंसी)। सोमवार को भारतीय मुद्रा बाजार में ऐतिहासिक उछाल देखने को मिला। बाजार खुलते ही डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपया 1% से ज्यादा मजबूत हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) के डॉलर की मांग पर लगाम लगाने वाले नए कदमों को इस तेजी की बड़ी वजह माना जा रहा है। RBI ने एक तरफ तेल कंपनियों के लिए डॉलर खरीदने की अलग व्यवस्था बनाई है, तो दूसरी तरफ विदेशी मुद्रा बाजार में सट्टेबाजी और डॉलर की वायदा मांग को नियंत्रित करने के लिए नियम सख्त किए हैं। सोमवार को भारतीय रुपया 95.76 प्रति डॉलर पर खुला, जो शुक्रवार को कारोबार बंद होने के समय 96.73 प्रति डॉलर थी। यानी पिछले बंद स्तर के मुकाबले रुपये में करीब 1% की मजबूती दर्ज हुई। एशियाई करेंसी बाजार में भी भारतीय रुपया बेहतर प्रदर्शन करने वाली मुद्राओं में शामिल रहा।

RBI ने शनिवार को विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव से जुड़े कई नियमों में बदलाव किए। अब रद्द किए गए रुपये से जुड़े विदेशी मुद्रा डेरिवेटिव कॉन्ट्रैक्ट को दोबारा बुक करने पर रोक लगा दी गई है। इसके अलावा, वास्तविक कारोबारी जरूरत से जुड़े प्रमाण के बिना किए जाने वाले कुछ लेनदेन की सीमा घटाई गई है। केंद्रीय बैंक ने कुछ विदेशी मुद्रा कॉन्ट्रैक्ट पर बैंकों को 20% नकद राशि अलग रखने का निर्देश भी दिया है। इससे रुपये की कमजोरी से बचाव के लिए डॉलर की वायदा खरीद करना महंगा हो सकता है। RBI का उद्देश्य बाजार में सट्टेबाजी को सीमित करना और कंपनियों की डॉलर मांग को कम करना है।

FPIs ने अक्टूबर में अब तक 44,166 करोड़ के शेयर बेचे



मुंबई (एजेंसी)। भारतीय शेयर बाजार से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (FPIs) की बिकवाली का सिलसिला लगातार जारी है। अक्टूबर में विदेशी निवेशक अब तक 44,166 करोड़ के शेयर बेचकर पैसे निकाल चुके हैं। इसके साथ ही साल 2026 में अबतक उनकी कुल निकासी ₹3.04 लाख करोड़ के पार पहुंच गई है। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों, मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड पर बढ़ते यील्ड के कारण विदेशी निवेशकों का रुझान भारतीय बाजार से कमजोर हुआ है।

नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड (NSDL) के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी निवेशकों ने सितंबर में भी भारतीय शेयर बाजार से ₹35,861 करोड़ निकाले थे। हालांकि, जुलाई में उन्होंने ₹20,200 करोड़ और अगस्त में ₹29,631 करोड़ का निवेश किया था। इस साल अबतक हुई बिकवाली पिछले पूरे साल के मुकाबले काफी ज्यादा है। साल 2025 के दौरान विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से कुल ₹1.66 लाख करोड़ निकाले थे, जबकि साल 2026 में ये आंकड़ा बढ़कर ₹3.04 लाख करोड़ हो गया है।

इंवेस्टमेंट प्लेटफॉर्म ट्रैक के को-फाउंडर और सीईओ वेदांत गुप्ते के अनुसार, विदेशी निवेशकों की इस बिकवाली को भारत की निवेश संभावनाओं पर अविश्वास के रूप में देखने के बजाय वैश्विक स्तर पर पूंजी के पुनर्वितरण के तौर पर समझना चाहिए। उन्होंने कहा कि खाड़ी क्षेत्र में सप्लाई से जुड़े जोखिमों के कारण कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं।

महंगाई दर 7% तक पहुंचने का अनुमान, RBI को रेपो रेट में 100-150 bps की करनी पड़ सकती है बढ़ोतरी: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आने वाले महीनों में महंगाई आम लोगों की जेब पर दबाव बढ़ा सकती है। सिस्टेमैटिक्स इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत में महंगाई दर आने वाली तिमाहियों में बढ़कर 6-7% तक पहुंच सकती है। अगर ऐसा होता है, तो भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) को महंगाई पर काबू पाने के लिए रेपो रेट में और बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है। रिपोर्ट में मौजूदा दर 5.50% से बढ़ाकर 6.5-7% तक करने की संभावना जताई गई है। हालांकि, यह विश्लेषकों का अनुमान है, RBI का आधिकारिक फैसला नहीं।

रिपोर्ट के अनुसार, कच्चे तेल की कीमतों में तेजी, कमजोर मानसून और अल नीनो की आशंका से महंगाई का दबाव बढ़ सकता है। इसके अलावा, कंपनियों की उत्पादन लागत भी तेजी से बढ़ रही है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में गैर-वित्तीय कंपनियों की इनपुट लागत सालाना आधार पर करीब 40% बढ़ी, जबकि कच्चे तेल की कीमतों में 45% की तेजी आई। बढ़ती लागत का पूरा बोझ ग्राहकों पर नहीं डाल पाने से कंपनियों के मुनाफे पर भी दबाव पड़ा।

लोगों की महंगाई को लेकर चिंता बढ़ी



रिपोर्ट में RBI के घरेलू महंगाई अनुमान सर्वे का हवाला देते हुए कहा गया है कि सितंबर 2026 में परिवारों की औसत महंगाई अपेक्षा 9.1% रही। यानी लोगों को आने वाले समय में कीमतें और बढ़ने की आशंका है। रिपोर्ट के मुताबिक, खाने-पीने की चीजें, एनर्जी और फर्टिलाइजर पर सरकारी मदद ने भी महंगाई के असर को कुछ हद तक सीमित रखा है। यह सहायता कम होने पर कीमतों का दबाव बढ़ सकता है।

रेपो रेट बढ़ने से EMI पर क्या असर होगा?

रिपोर्ट के अनुसार, RBI पहले ही रेपो रेट में 25 बेसिस पॉइंट की बढ़ोतरी कर इसे 5.50% कर चुका है। सिस्टेमैटिक्स का मानना है कि महंगाई के जोखिम को देखते हुए इसमें 100-150 बेसिस पॉइंट की और बढ़ोतरी की जरूरत पड़ सकती है। अगर ब्याज दरें बढ़ती हैं, तो होम लोन, कार लोन और दूसरे कर्ज की लागत बढ़ सकती है। हालांकि, इसका असर इस बात पर निर्भर करेगा कि RBI क्या फैसला लेता है और बैंक ग्राहकों तक दरों में बदलाव कैसे पहुंचाते हैं।

शेयर बाजार और सरकारी बॉन्ड पर भी असर

रिपोर्ट ने चेतावनी दी है कि महंगाई बढ़ने और ब्याज दरें ऊंची रहने से कंपनियों की लागत बढ़ सकती है और शेयरों के मूल्यांकन पर दबाव पड़ सकता है। 10 साल के सरकारी बॉन्ड की यील्ड, जो रिपोर्ट के मुताबिक करीब 7.24% थी, महंगाई अनुमान से ज्यादा रहने पर 7.5% से ऊपर जा सकती है।

भारत में ही इलेक्ट्रिक कार बनाएगा ऑडी!

मुंबई (एजेंसी)। जर्मनी की लग्जरी कार कंपनी ऑडी, भारत में इलेक्ट्रिक कार की लोकल मैन्यूफैक्चरिंग करने पर विचार कर रही है। कंपनी का लक्ष्य अगले 3 से 5 साल में लग्जरी कार मार्केट में अपनी हिस्सेदारी दोगुना कर 15-16 प्रतिशत तक पहुंचाना है। ऑडी इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि कंपनी की रणनीति 3 प्रमुख स्तंभ पर आधारित है। इनमें ग्राहकों की जरूरतों पर ध्यान देना, नए प्रोडक्ट लॉन्च करना और डीलरशिप नेटवर्क का विस्तार करना शामिल है। कंपनी की फिलहाल लग्जरी कार मार्केट में करीब 8 प्रतिशत हिस्सेदारी है। जर्मनी की इस ऑटो कंपनी की योजना प्रस्तावित भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते (FTA) का लाभ उठाकर भारत में ज्यादा मॉडल पेश करने की भी है। इसके जरिए कंपनी लोकल मैन्यूफैक्चरिंग का फैसला करने से पहले भारतीय बाजार में इन मॉडल की मांग और बिक्री की संभावनाओं को परखना चाहती है।

समय-सीमा की बैठक में राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर दिया जोर

मुख्यमंत्री की घोषणाओं को समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश, मतदाता सूची की सतत निगरानी और लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण पर विशेष ध्यान



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। राज्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने और आम नागरिकों तक शासकीय सेवाओं का लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से आज संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक आयोजित की गई। अपर कलेक्टर सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य की अध्यक्षता में आयोजित इस बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, योजनाओं की प्रगति, लंबित प्रकरणों, मुख्यमंत्री की घोषणाओं और मुख्यमंत्री जनदर्शन से प्राप्त आवेदनों के निराकरण की विस्तृत समीक्षा की गई।

बैठक में अपर कलेक्टर ने सभी विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

इसके लिए योजनाओं का समय पर क्रियान्वयन, लंबित मामलों का शीघ्र निराकरण और पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करना सुनिश्चित किया जाए। साथ ही मतदाता सूची की सतत निगरानी करते हुए उसमें आवश्यक सुधार और अद्यतन की कार्रवाई पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए गए।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा जिले के लिए की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन की विस्तार से समीक्षा की गई। अपर कलेक्टर ने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि मुख्यमंत्री की घोषणाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जाए। लंबित कार्यों की नियमित समीक्षा कर उनके निराकरण में आने वाली बाधाओं को दूर करने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएं। उन्होंने कहा कि सभी विभाग अपने स्तर पर लंबित कार्यों की स्थिति की समीक्षा करें और उन्हें पूरा करने के लिए ठोस कार्ययोजना तैयार करें। शासन की प्राथमिकता वाले कार्यों में अनावश्यक देरी न हो तथा प्रत्येक कार्य की प्रगति पर नियमित निगरानी रखी जाए।

बैठक में मतदाता सूची के सतत निरीक्षण, निगरानी और अद्यतन की आवश्यकता पर विशेष जोर दिया गया। अपर कलेक्टर सुरेन्द्र प्रसाद वैद्य ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि मतदाता सूची से जुड़े कार्यों की नियमित समीक्षा करें तथा निर्धारित दिशा-निर्देशों के अनुसार आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदाता सूची में नाम जोड़ने, संशोधन करने और अन्य आवश्यक सुधारों से संबंधित कार्यों पर विशेष ध्यान दिया जाए। पात्र नागरिकों को मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने के लिए जागरूक किया जाए तथा संबंधित अधिकारियों के बीच समन्वय बनाकर कार्यों की प्रगति की नियमित निगरानी की जाए, ताकि निर्वाचन संबंधी कार्य व्यवस्थित और समयबद्ध तरीके से पूरे हो सकें।

बैठक में एग्रीस्टैक सहित विभिन्न विभागों से संबंधित लंबित प्रकरणों की अद्यतन स्थिति की जानकारी ली गई। अपर कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए लंबित मामलों का समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में अनावश्यक विलंब से आम नागरिकों को परेशानी नहीं होनी चाहिए। सभी अधिकारी अपने विभाग से संबंधित प्रकरणों की नियमित समीक्षा करें और निराकरण की प्रगति पर विशेष ध्यान दें, ताकि लोगों को शासकीय सेवाओं का लाभ समय पर मिल सके।

अपर कलेक्टर ने जिले के विभिन्न विभागों के जर्जर शासकीय भवनों की स्थिति की जानकारी लेते हुए उनकी मरम्मत की अद्यतन स्थिति प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को भवनों का आकलन कर नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करने को कहा। जहां नए शासकीय भवनों के निर्माण की आवश्यकता है, वहां प्रस्ताव तैयार कर निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार समय-सीमा में आगे की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि शासकीय भवन सुरक्षित और व्यवस्थित होने चाहिए, ताकि विभागीय कामकाज सुचारु रूप से संचालित हो सके और नागरिकों को सेवाएं प्राप्त करने में परेशानी न हो।

बैठक में जनदर्शन और समय-सीमा के तहत प्राप्त आवेदनों की समीक्षा करते हुए अपर कलेक्टर ने उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निराकरण को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसलिए प्रत्येक विभाग प्राप्त आवेदनों पर गंभीरता से कार्रवाई करे और निर्धारित समय-सीमा में उनका निराकरण सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि आवेदनों के निराकरण में पारदर्शिता बनाए रखें तथा नागरिकों को अनावश्यक रूप से कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें। लंबित आवेदनों की नियमित समीक्षा कर उनकी स्थिति की जानकारी रखी जाए और आवश्यकतानुसार संबंधित अधिकारियों से कार्रवाई सुनिश्चित कराई जाए।

अपर कलेक्टर ने सभी विभागों को अपनी योजनाओं से संबंधित अद्यतन जानकारी व्यवस्थित रखने तथा आगामी शिविरों की जानकारी ग्रामीण क्षेत्रों तक पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी सरल भाषा में आम लोगों तक पहुंचाई जाए, ताकि पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ लेने के लिए आगे आ सकें। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और शिविरों के माध्यम से अधिक से अधिक पात्र लोगों तक शासकीय सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ पहुंचाने पर जोर दिया। साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन की नियमित समीक्षा कर यह सुनिश्चित करने के निर्देश दिए कि शासन की योजनाओं का लाभ जरूरतमंद लोगों तक समय पर पहुंचे।

कलेक्टर के निर्देशानुसार आयोजित किए जा रहे योग एवं ध्यान सत्र

सेवा संकल्प अभियान के तहत योग एवं ध्यान सत्रों का आयोजन : 1,627 लोगों ने लिया लाभ



बालोद (दैनंदिनी ब्यूरो)। कलेक्टर श्रीमती दिव्या उमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में सेवा संकल्प अभियान 2026 के तहत लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी कड़ी में आयुष विभाग के तत्वावधान में जिले के विभिन्न आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में एकदिवसीय योग एवं ध्यान सत्रों का आयोजन किया जा रहा है। इन सत्रों के माध्यम से ग्रामीणों को योग, प्राणायाम और ध्यान के महत्व की जानकारी देकर इन्हें अपनी नियमित दिनचर्या में शामिल करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

आयुष विभाग द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों में ग्राम पंचायतों के सरपंच, छात्र-छात्राएं, शिक्षक, विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं। कार्यक्रमों का शुभारंभ भगवान धन्वंतरि एवं छत्तीसगढ़ महतारी की पूजा-अर्चना के साथ किया जाता है। इसके बाद योग प्रशिक्षकों द्वारा प्रतिभागियों को विभिन्न योगासनों और प्राणायाम का अभ्यास कराया जाता है।

प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभागियों को 12 प्रकार के योगासन और 5 प्रकार के प्राणायाम का अभ्यास कराया जा रहा है। इसके साथ ही मानसिक शांति, एकाग्रता बढ़ाने और तनाव प्रबंधन के उद्देश्य से लगभग 15 मिनट का ध्यान सत्र भी आयोजित किया जा रहा है। योग प्रशिक्षकों द्वारा नियमित योग, प्राणायाम और ध्यान के महत्व तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के संबंध में जानकारी दी जा रही है। कार्यक्रम के समापन पर प्रतिभागियों को अंकुरित आहार एवं आयुष काढ़ा वितरित किया जाता है।

10 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में 1,627 लोगों ने लिया भाग। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत आयोजित योग एवं ध्यान सत्रों में अब तक उपलब्ध जानकारी के अनुसार 10 आयुष्मान आरोग्य मंदिरों में कुल 1,627 लोगों ने भाग लिया है। इनमें नेवारीकला में 8 अक्टूबर को 140, बड़भूम में 9 अक्टूबर को 84 तथा 10 अक्टूबर को डुण्डेरा में 487, सिकोसा में 105, ग्राम भिलाई में 160, भाठागांव (आर) में 85, सिब्दी में 96, सिर्री में 87, हल्दी में 280 और कमरौद में 103 प्रतिभागी शामिल हुए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत आयोजित इन योग एवं ध्यान सत्रों से ग्रामीण क्षेत्रों में योग, प्राणायाम और आयुष पद्धतियों के प्रति जागरूकता बढ़ रही है। साथ ही लोगों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया जा रहा है।

अपर कलेक्टर ने क्वांर नवरात्रि पर पदयात्री मार्ग एवं सेवा पंडालों का किया निरीक्षण



राजनांदगांव। कलेक्टर जितेन्द्र यादव के निर्देशानुसार अपर कलेक्टर सीएल मारकण्डेय ने क्वांर नवरात्रि पर्व के दौरान माँ बम्लेश्वरी मंदिर डोंगरगढ़ जाने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा के दृष्टिगत पदयात्री मार्ग एवं विभिन्न सेवा पंडालों का निरीक्षण किया। उन्होंने सेवा पंडालों में विश्राम कर रहे पदयात्रियों से चर्चा कर उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली तथा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान देने, स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध रखने तथा पेयजल, साफ-सफाई, शौचालय और विद्युत की समुचित व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए। अपर कलेक्टर ने पदयात्रियों के लिए विश्राम, चाय-नाश्ता, भोजन, पेयजल एवं अन्य सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने पंडालों में तैनात स्वास्थ्य विभाग के मेडिकल स्टॉफ एवं उपलब्ध दवाइयों की भी जानकारी ली। उन्होंने आवश्यकता अनुसार मार्ग में बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए। क्वांर नवरात्रि के अवसर पर अंजोरा से डोंगरगढ़ तक पदयात्री मार्ग में विभिन्न स्थानों पर सेवा पंडाल स्थापित किए गए हैं, जहां श्रद्धालुओं को सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। दूर-दराज क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु माँ बम्लेश्वरी के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। इस दौरान डिप्टी कलेक्टर अभिषेक तिवारी, जनपद पंचायत राजनांदगांव के सीईओ मनीष साहू तथा स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

समान नागरिक संहिता पर महिलाओं की मुखर आवाज लिव-इन पंजीयन अनिवार्य करने दिए सुझाव

रायपुर ■ दैनन्दिनी



रायपुर जिले के धरसींवा और गरियाबंद जिले से आई विभिन्न महिला स्व-सहायता समूहों की पदाधिकारियों ने समान नागरिक संहिता (UCC) समिति के समक्ष अपनी राय रखते हुए व्यवस्था में व्यापक बदलाव की बात की । रायपुर में आयोजित समान नागरिक संहिता समिति के सदस्य सेवानिवृत्त आईएएस अधिकारी श्री एम.के. राऊत और वरिष्ठ अधिवक्ता श्री मोहन पवार ने महिलाओं के व्यावहारिक सुझावों को गंभीरता से सुनते हुए उन्हें रिपोर्ट में शामिल करने का आश्वासन दिया है।

चर्चा के दौरान श्रीमती सीता साहू, श्रीमती बुद्धि साहू, श्रीमती टेमेश्वरी साहू, श्रीमती रेखा साहू और श्रीमती राजेश्वरी बाई जैसी स्व - सहायता समूह की महिला पदाधिकारियों ने जोर देकर कहा कि लिव-इन रिलेशनशिप का पंजीयन अनिवार्य होना चाहिए, जिससे महिलाओं के शोषण पर प्रभावी रोक लगाई जा सके और इससे जन्मे बच्चों को पालन-पोषण तथा उत्तराधिकार का पूरा हक मिल सके। इस वैचारिक क्रम को आगे बढ़ाते हुए श्रीमती लक्ष्मी साहू, श्रीमती सुरेखा रात्रे, श्रीमती दिलेश्वरी मिर्ज़ा, श्रीमती कुमुदिनी चन्द्रवंशी और श्रीमती ममता साहू ने स्वतंत्रता, समानता और न्याय के अधिकार को सर्वोपरि बताते हुए धर्म आधारित कानूनों में बदलाव की मांग की। उन्होंने पैतृक व व्यक्तिगत संपत्ति में महिलाओं को पुरुषों के समान अधिकार देने और तलाक की प्रक्रिया को आपसी सहमति से सरल बनाने पर भी जोर दिया।

समाज में व्याप्त विसंगतियों को दूर करने के सिलसिले में श्रीमती ममता यादव, श्रीमती डामीन विश्वकर्मा, श्रीमती विजयलक्ष्मी वैष्णव, श्रीमती ज्योति जोशी और श्रीमती पूर्णिमा बाई ने उपहार (दहेज) के नियम एक समान बनाने की पुरजोर वकालत की। चूंकि छत्तीसगढ़ एक जनजातीय बहुल प्रदेश है, इसलिए स्थानीय समुदायों की परंपराओं, रीति-रिवाजों और संस्कृति का पूरा सम्मान करते हुए विचार-विमर्श करने पर सहमति जताई गई। इसी कड़ी में ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं के लिए श्रीमती माधुरी निषाद, श्रीमती मिनी मार्कंडे, श्रीमती त्रिवेणी निषाद, श्रीमती यामिनी निर्मलकर और श्रीमती रेणुका निषाद ने कहा कि कानून का लाभ समाज के अंतिम छोर तक पहुंचना चाहिए। अंत में श्रीमती संध्या वर्मा, श्रीमती चंद्रकली, श्रीमती द्रोपदी बाई और श्रीमती भुनेश्वरी साहू ने एक स्वर में कहा कि शएक राष्ट्र, एक कानूनश् की दिशा में आगे बढ़ते हुए सभी को अपनी परंपराएं मानने की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए और इसके लिए सबसे पहले महिलाओं का जागरूक होना सबसे अधिक आवश्यक है।

सेवा संकल्प अभियान
सेवा की कहानी

सेवा सेतु से आसान हुई सरकारी सेवाओं की राह, सुमन की बेटी आयुषी को घर बैठे मिले आय, जाति और निवास प्रमाण पत्र

रायपुर ■ दैनन्दिनी



मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा शासकीय सेवाओं को सरल, पारदर्शी और नागरिकों के लिए अधिक सुविधाजनक बनाने की दिशा में किए जा रहे प्रयासों का सकारात्मक असर दिखाई दे रहा है। सेवा सेतु के माध्यम से अब नागरिकों को जरूरी प्रमाण पत्र प्राप्त करने के लिए सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने की आवश्यकता नहीं पड़ रही है। जांजगीर-चांपा जिले के बलौदा तहसील मुख्यालय निवासी श्रीमती सुमन का अनुभव इसका उदाहरण है। सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से उनकी बेटी आयुषी के आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र कुछ ही दिनों में बनकर तैयार हो गए और उनकी डिजिटल प्रतियां मोबाइल पर उपलब्ध हो गईं।

एक ही केन्द्र में हुआ आवेदन, कुछ ही दिनों में मिले तीनों प्रमाण पत्र

श्रीमती सुमन अपनी पुत्री आयुषी के आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने के लिए तहसील कार्यालय बलौदा स्थित सेवा सेतु केन्द्र पहुंची थीं। केन्द्र में उनके आवेदन और आवश्यक दस्तावेजों की जांच कर आवेदन स्वीकार किया गया। साथ ही निर्धारित समय-सीमा में प्रमाण पत्र उपलब्ध कराने का आश्वासन दिया गया।

आवेदन करने के कुछ ही दिनों के भीतर आयुषी के तीनों प्रमाण पत्र तैयार हो गए और उनकी पीडीएफ प्रतियां श्रीमती सुमन के मोबाइल पर प्राप्त हो गईं। इसके बाद प्रमाण पत्रों की हार्ड कॉपी भी शीघ्र उपलब्ध करा दी गई। पूरी प्रक्रिया सरल और सुविधाजनक रही तथा उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा।

मोबाइल पर प्रमाण पत्र मिलने से बचा समय, प्रक्रिया हुई आसान

श्रीमती सुमन ने बताया कि पहले आवश्यक प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कार्यालयों में बार-बार जाने और प्रक्रिया पूरी होने की प्रतीक्षा करने की चिंता रहती थी। लेकिन सेवा सेतु केन्द्र के माध्यम से आवेदन करने के बाद उन्हें प्रमाण पत्रों के लिए अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ी।

प्रमाण पत्रों की डिजिटल प्रतियां सीधे मोबाइल पर मिलने से समय की बचत हुई और प्रक्रिया भी सुविधाजनक रही। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु पोर्टल के माध्यम से प्रमाण पत्रों की डिजिटल प्रतियां घर बैठे प्राप्त होना आम नागरिकों के लिए बड़ी सुविधा है। इससे शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त करना पहले की तुलना में अधिक आसान हुआ है।

सेवा सेतु की सुविधा से संतुष्ट सुमन ने जताया आभार

श्रीमती सुमन ने समय पर प्रमाण पत्र उपलब्ध होने और सरल प्रक्रिया से संतुष्टि व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा कि सेवा सेतु के माध्यम से उन्हें बिना किसी परेशानी के अपनी बेटी के आवश्यक प्रमाण पत्र प्राप्त हो गए। यह सुविधा आम नागरिकों के लिए काफी उपयोगी है।

सेवा सेतु के माध्यम से शासकीय सेवाओं को डिजिटल और नागरिक-केंद्रित बनाने की पहल से लोगों को समयबद्ध सेवाएं प्राप्त करने में सुविधा हो रही है। श्रीमती सुमन की यह कहानी दर्शाती है कि तकनीक के प्रभावी उपयोग से सरकारी प्रक्रियाएं सरल हो रही हैं और नागरिकों को आवश्यक सेवाएं अधिक सुगमता एवं पारदर्शिता के साथ उपलब्ध हो रही हैं।

सेवा संकल्प अभियान
सेवा की कहानी

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल से वनदेवी की जिंदगी को मिले नए पंख, अब आसान होगी आवागमन की राह

रायपुर ■ दैनन्दिनी



जीवन में छोटी-छोटी जरूरतों को पूरा करने के लिए भी जब दूसरों का सहारा लेना पड़े, तब आत्मनिर्भर होकर आगे बढ़ने की चाह और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। ऐसे में शासन की सहायता किसी जरूरतमंद के जीवन में बड़ा बदलाव ला सकती है। जांजगीर-चांपा जिले के नवागढ़ तहसील अंतर्गत ग्राम सेमरा निवासी श्रीमती वनदेवी कर्ष के लिए सेवा संकल्प अभियान खुशियों की नई सौगात लेकर आया है। ग्राम सेमरा में आयोजित सेवा सेतु शिविर में उन्हें मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्रदान की गई। इस सहायता से अब उनके लिए दैनिक जीवन के जरूरी कार्यों को पूरा करना और एक स्थान से दूसरे स्थान तक आना-जाना अधिक आसान एवं सुविधाजनक हो सकेगा।

श्रीमती वनदेवी कर्ष के लिए दैनिक जीवन में आवागमन एक महत्वपूर्ण चुनौती रही है। आवश्यक कार्यों के लिए घर से बाहर निकलने और एक स्थान से दूसरे स्थान तक पहुंचने में उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल मिलने से अब उनकी यह परेशानी काफी हद तक दूर हो सकेगी।

इस सुविधा से वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक सहजता से पूरा कर सकेंगी। साथ ही आवागमन के लिए परिवार के सदस्यों और अन्य लोगों पर उनकी निर्भरता भी कम होगी। इससे उनके जीवन में सुविधा के साथ आत्मविश्वास बढ़ने की भी उम्मीद है। श्रीमती वनदेवी कर्ष के लिए मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल केवल आवागमन का साधन नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और आत्मनिर्भरता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इससे उन्हें अपनी जरूरतों के अनुसार आने-जाने और आवश्यक कार्यों को पूरा करने में सुविधा मिलेगी।

सेवा सेतु शिविर में मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्राप्त होने पर श्रीमती वनदेवी कर्ष के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। उन्होंने इस सहायता के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के प्रति आभार व्यक्त किया।

छत्तीसगढ़ शिक्षक भर्ती 2026- दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए विस्तृत विज्ञापन में संशोधन

दिव्यांग अभ्यर्थियों को मिलेगा आवेदन का नया अवसर

रायपुर ■ दैनन्दिनी

छत्तीसगढ़ में शिक्षक भर्ती 2026 के अंतर्गत दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय के आदेश के अनुपालन में लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शिक्षक भर्ती के विस्तृत विज्ञापन में शुद्धि पत्र जारी किया गया है। इस संशोधन के तहत विभिन्न विषयों के शिक्षक पदों के लिए उपयुक्त दिव्यांगता की श्रेणियों का विस्तार किया गया है, जिससे पात्र दिव्यांग अभ्यर्थियों को ऑनलाइन आवेदन करने का एक नया अवसर मिलेगा।

हाईकोर्ट के निर्देश पर हुआ संशोधन

लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा जारी शुद्धि पत्र के अनुसार, यह कदम छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय द्वारा याचिका क्रमांक WPS No. 6783 of 2026 (मीनाक्षी मंगलेकर एवं अन्य बनाम छत्तीसगढ़ शासन एवं अन्य) में 9 अक्टूबर 2026 को पारित निर्णय के अनुपालन में उठाया गया है। इससे पहले स्कूल शिक्षा विभाग के अंतर्गत शासकीय शालाओं में ई एवं टी संवर्ग के शिक्षक पदों के लिए छत्तीसगढ़ व्यावसायिक परीक्षा मंडल की वेबसाइट vyapamcg.cgstate.gov.in पर 7 अगस्त 2026 को विस्तृत विज्ञापन जारी किया गया था।

दिव्यांगता की श्रेणियों में किए गए मुख्य बदलाव

हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत और सामाजिक विज्ञान विषय के लिए समाज कल्याण विभाग की 11 सितंबर 2026 की संशोधित अधिसूचना के अनुसार इन विषयों के लिए पूर्ण दृष्टिबाधिता (Blind) और सेरेब्रल पाल्सी (Cerebral Palsy) को उपयुक्त दिव्यांगता की श्रेणियों में शामिल किया गया है। इसी प्रकार गणित विषय के शिक्षक पद के लिए सेरेब्रल पाल्सी एवं कुष्ठ रोग से उपचारित दिव्यांगता तथा कृषि विषय के शिक्षक पद के लिए सेरेब्रल पाल्सी को शामिल किया गया है। गणित इस विषय के शिक्षक पद के लिए सेरेब्रल पाल्सी एवं कुष्ठ रोग से उपचारित दिव्यांगता को शामिल किया गया है। कृषि विषय के शिक्षक पद के लिए सेरेब्रल पाल्सी को शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, दिव्यांग अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित पदों का वितरण चार प्रमुख समूहों—दृष्टिबाधिता (VI), श्रवण बाधिता (HI), अस्थिबाधिता (OI) एवं बहुदिव्यांगता (MD) के अनुसार श्रेणीवार निर्धारित किया गया है।

कुल 1654 पदों का विषयवार विवरण

लोक शिक्षण संचालनालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार संशोधित विज्ञापन के अनुसार ई-संवर्ग के 868 और टी-संवर्ग के 786 पदों (कुल 1654 पद) पर भर्ती की प्रक्रिया होगी। ई-संवर्ग (कुल 868 पद) हिंदी के 109, संस्कृत के 150, अंग्रेजी के 319, गणित के 135, सामाजिक विज्ञान के 150 और कृषि के 5 पद और टी-संवर्ग (कुल 786 पद)रू हिंदी के 141, संस्कृत के 150, अंग्रेजी के 185, गणित के 115, सामाजिक विज्ञान के 100 और कृषि के 95 पद शामिल हैं।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय एनकोर्ड की बैठक सम्पन्न

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मंत्रालय महानदी भवन में आज मुख्य सचिव श्री विकासशील की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय समन्वय एनकोर्ड समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में राज्य में नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार पर प्रभावी रोक लगाने, विभिन्न विभागों के बीच आपसी समन्वय को मजबूत करने और नशा मुक्ति अभियानों की गहन समीक्षा की गई। मुख्य सचिव ने श्नशा मुक्त भारतश् अभियान के तहत एक विजन डॉक्यूमेंट तैयार करने और व्यापक कार्ययोजना बनाने के निर्देश दिए हैं।

नशा नियंत्रण के लिए प्रभावी नियंत्रण और रोडमैप तैयार करने के निर्देश-बैठक में मुख्य सचिव ने कहा कि नशा नियंत्रण के लिए राज्य और जिला स्तर पर एक विस्तृत रोडमैप तैयार किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य एवं जिला स्तर पर एनकोर्ड की बैठकें परिणामोन्मुख (रिजल्ट-ओरिएंटेड) आधार पर नियमित रूप से आयोजित हों। प्रदेश में मादक पदार्थों की रोकथाम के लिए राज्यीय सीमाओं पर पुलिस और आबकारी विभाग को विशेष चौकसी बरतने के लिए कहा गया है। इसके अलावा, शिक्षण संस्थानों में नशीली पदार्थों के दुष्प्रभावों के प्रति जागरूकता के लिए विशेष अभियान चलाने पर जोर दिया गया। बैठक के दौरान मानस पोर्टल से प्राप्त शिकायतों की अद्यतन स्थिति की व्यापक समीक्षा की गई। साथ ही 16 अगस्त 2026 से 25 सितंबर 2026 के बीच चलाए गए पाक्षिक विशेष अभियानों की प्रगति का जायजा लिया गया। अधिकारियों ने जानकारी दी कि एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (ANTF) द्वारा स्कूलों और कॉलेजों में लगातार जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं और नशीली दवाओं से जुड़े अपराधियों की धर-पकड़ की जा रही है। सभी स्कूल, कॉलेज और यूनिवर्सिटी को एक्शन प्लान के तहत छात्रों को नशीले पदार्थों के दुष्परिणामों से अवगत कराने के निर्देश दिए गए हैं। गृह विभाग की सचिव नेहा चम्पावत ने प्रस्तुतिकरण के जरिए एनकोर्ड से संबंधित विस्तृत जानकारी साझा की। बैठक में पुलिस महानिदेशक (DGP) श्री अरूण देव गौतम, गृह एवं जेल विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती निहारिका बारिक सिंह, महिला एवं बाल विकास विभाग की प्रमुख सचिव श्रीमती शहला निगार, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग के सचिव श्री सिद्धार्थ कोमल परदेशी, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, स्वास्थ्य विभाग के सचिव श्री अमित कटारिया सहित उच्च शिक्षा, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, पुलिस मुख्यालय, वन, समाज कल्याण, एनसीबी (NCB), डाक विभाग और एड्स नियंत्रण समिति के वरिष्ठ अधिकारी, सभी संभागायुक्त तथा विभिन्न जिलों के कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक उपस्थित रहे।



मुख्य सचिव ने उत्कृष्ट कार्य करने के लिए अधिकारी-कर्मचारियों को किया सम्मानित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

मुख्य सचिव श्री विकासशील ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में अधिकारियों-कर्मचारियों को ई-ऑफिस, समयबद्ध उपस्थिति और आई-गाट में प्रशिक्षण कोर्स में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए सम्मानित किया। मुख्य सचिव ने सम्मान प्राप्त करने वाले अधिकारियों-कर्मचारियों को बधाई और शुभकामनाएं दी। श्री विकासशील ने कहा की मंत्रालय में अधिकारी-कर्मचारी समय पर अपनी उपस्थित दर्ज कर रहे है। मुख्य सचिव ने कहा कि मंत्रालय में 10 बजे से पूर्व आने वाले अधिकारी-कर्मचारियों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। मुख्य सचिव ने मासिक सम्मान कार्यक्रम में ई-ऑफिस के माध्यम से नस्तियों के त्वरित एवं प्रभावी निराकरण तथा कार्यालयीन समयबद्ध उपस्थिति सुनिश्चित करने वाले मंत्रालयीन अधिकारी एवं कर्मचारियों को सितम्बर माह के लिए प्रशंसा पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। विभागीय श्रेणी में उत्कृष्ट प्रदर्शन ई-ऑफिस पर उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए विभागों में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग प्रथम, आदिम जाति विकास विभाग द्वितीय तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग तृतीय स्थान पर रहा। संयुक्त सचिव श्रेणी में आदिम जाति विकास विभाग के श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत प्रथम, अनुसूचित जनजाति विकास विभाग के श्री अनुपम त्रिवेदी द्वितीय तथा पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के श्री सचिदानंद आलोक तृतीय स्थान पर रहे। उप सचिव श्रेणी में चिकित्सा शिक्षा विभाग की श्रीमती लवीना पाण्डे प्रथम, सामान्य प्रशासन विभाग-1 के श्री किशोर कुमार भूआर्य द्वितीय तथा वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के श्री दूरदेशी राम सोन्टापर तृतीय स्थान पर रहे। अवर सचिव श्रेणी में चिकित्सा शिक्षा विभाग के श्री पूरन लाल साहू प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के श्री भूपेन्द्र सिंह राजपूत द्वितीय, गृह विभाग के श्री सोनचंद साहू तृतीय स्थान पर रहे। अनुभाग अधिकारी श्रेणी में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के श्री विरेन्द्र कुमार प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की श्रीमती पी.दुर्गा द्वितीय, पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के श्री शिवकुमार गोड़ तृतीय स्थान पर रहे।

सहायक अनुभाग अधिकारी श्रेणी में लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की श्रीमती वर्षा रानी अग्रवाल प्रथम, सामान्य प्रशासन विभाग-1 के बेरनाथ कूजूर द्वितीय, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की सुश्री प्रिया बागड़े तृतीय स्थान पर रही। वरिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में सामान्य प्रशासन विभाग-1 के श्री धनेश्वर पटेल प्रथम, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के श्री सलीम शैलेन्द्र टोप्पो द्वितीय, चिकित्सा शिक्षा विभाग की श्रीमती ललीता राय तृतीय स्थान पर रही। कनिष्ठ सचिवालय सहायक श्रेणी में खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग की सुश्री प्रतिक्षा खलखो प्रथम, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के श्री अजय राठिया द्वितीय स्थान पर, लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के श्री प्रभु सिंह राठिया तृतीय स्थान पर रहे। टेक्निकल सेक्शन में चिकित्सा शिक्षा विभाग के श्री राम नरेश पाल प्रथम स्थान पर, चिकित्सा शिक्षा विभाग के ऋषिकेश मिर्चे द्वितीय स्थान पर तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के सुश्री तृप्ति शर्मा तृतीय स्थान पर रही।समयबद्ध कार्यालयीन उपस्थिति के लिए टॉप-10 में जिन अधिकारियों को सम्मानित किया गया है उनमें सहायक अनुभाग अधिकारी श्री शिवचरण राठौर, भृत्य श्री सेठलाल यादव, सहायक अनुभाग अधिकारी मीरा, सहायक अनुभाग अधिकारी सुश्री गामीनी वर्मा, खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के अवर सचिव श्री भूपेन्द्र सिंह राजपूत, अनुभाग अधिकारी मंजूषा राजपूत, सहायक अनुभाग अधिकारी श्री दीपक श्रीवास, अनुभाग अधिकारी श्री शिवकुमार गोड़, आदिम जाति विकास विभाग के संयुक्त सचिव श्री भूपेन्द्र कुमार राजपूत, अनुभाग अधिकारी श्री महेश कुमार तिवारी है।

भारतमाला प्रोजेक्ट में उजड़ा घर, मुआवजे के लिए भटक रहा किसान



रायपुर। भारतमाला परियोजना के तहत मकान और जमीन के अधिग्रहण के बाद अपनी समस्याओं का समाधान नहीं होने से परेशान एक किसान अपने मवेशी लेकर रायपुर कलेक्ट्रेट पहुंच गया। किसान भास्कर चंद्राकर ने परिसर में ही मवेशियों को बांधकर विरोध जताया और अधिकारियों के सामने अपनी परेशानी रखी। उसका कहना है कि लंबे समय से मुआवजे, बिजली मीटर और मवेशियों के रहने की व्यवस्था को लेकर वह परेशान है, लेकिन शिकायतों के बाद भी समाधान नहीं हो पाया है। भास्कर चंद्राकर के मुताबिक, भारतमाला परियोजना के लिए उसका घर उजड़ गया। इसके बाद से वह और उसका भाई चार मवेशियों के साथ रहने की समस्या से जूझ रहे हैं। घर उजड़ने के बाद से ही उनकी स्थिति ऐसी है कि उन्हें मवेशियों के लिए भी उचित जगह नहीं मिल पा रही है। इसी समस्या को अधिकारियों तक पहुंचाने के लिए वह कलेक्ट्रेट पहुंचा।

खुले में रहने से बीमार हुआ मवेशी-किसान ने बताया कि घर उजड़ने के बाद से वह करीब एक साल से नंगे पैर घूम रहा है। उसके सामने सबसे बड़ी परेशानी अपने मवेशियों को सुरक्षित जगह पर रखने की है। खुले में रहने के कारण उसके एक मवेशी की तबीयत भी खराब हो गई है। भास्कर का कहना है कि मवेशियों के लिए जल्द से जल्द रहने की उचित व्यवस्था होनी चाहिए, ताकि उन्हें इस तरह खुले में न रहना पड़े।

मुआवजे और बिजली मीटर को लेकर भी परेशानी-भास्कर चंद्राकर ने मुआवजे और बिजली मीटर से जुड़ी समस्याओं का भी जिक्र किया। उसका कहना है कि इन मुद्दों को लेकर वह लंबे समय से परेशान है और अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद उसकी समस्या का समाधान नहीं हुआ। आखिरकार अपनी बात प्रशासन तक पहुंचाने के लिए उसने मवेशियों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचकर विरोध जताने का फैसला किया।

कलेक्टर ने जांच का दिया आश्वासन-किसान के मुताबिक, कलेक्ट्रेट में उसकी कलेक्टर से बात हुई है। कलेक्टर ने मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया है। अब भास्कर को उम्मीद है कि उसकी समस्याओं पर कार्रवाई होगी और उसे मवेशियों के लिए रहने की उचित जगह मिल सकेगी। साथ ही, वह मुआवजे और बिजली मीटर से जुड़े मामले का भी समाधान चाहता है।

छत्तीसगढ़ से मानसून की हुई विदाई

रायपुर। छत्तीसगढ़ में दक्षिण-पश्चिम मानसून की विदाई हो गई है। मौसम विभाग (IMD) के आधिकारिक अपडेट के मुताबिक, प्रदेश के सभी जिलों से मानसून लौट चुका है। इसके साथ ही राज्य में बारिश का दौर खत्म होने और मौसम के धीरे-धीरे शुष्क होने की स्थिति बन रही है। बता दें कि इस बार मानसून की वापसी सामान्य समय के आसपास हुई है। आमतौर पर छत्तीसगढ़ से मानसून की पूरी तरह विदाई की तारीख 15 अक्टूबर के करीब मानी जाती है। हवाओं के रुख में बदलाव के साथ इस बार मानसून ने प्रदेश से वापसी कर ली है। मानसून की विदाई के बाद वातावरण में नमी कम होने लगी है। इससे मौसम शुष्क होने और उमस से राहत मिलने की संभावना है। आने वाले दिनों में मौसम में होने वाला यह बदलाव लोगों को महसूस हो सकता है। उत्तर-पश्चिमी हवाओं के असर से सुबह और रात के समय तापमान में हल्की गिरावट के संकेत हैं। इससे दिन की तुलना में सुबह और देर रात मौसम अपेक्षाकृत ठंडा महसूस हो सकता है। प्रदेश में अगले कुछ दिनों के दौरान तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। इससे मौसम सुहावना होने लगेगा। खासकर सुबह और रात के समय गर्मी से राहत मिल सकती है।





राज्यपाल से गेड़ी नर्तक अनिल गढ़ेवाल ने की भेंट

रायपुर.राज्यपाल श्री रमेन डेका से आज लोकभवन में छत्तीसगढ़ के प्रसिद्ध गेड़ी लोक नर्तक एवं लोक श्रृंगार भारती, बिलासपुर के संचालक श्री अनिल कुमार गढ़ेवाल ने अपने सहयोगी श्री लक्ष्मी नारायण मांडले के साथ सौजन्य भेंट की। उल्लेखनीय है की श्री गढ़ेवाल के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ के गेड़ी लोक नृत्य दल ने 26 जनवरी 2026 को नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित गणतंत्र दिवस समारोह तथा 15 अगस्त 2026 को राष्ट्रपति भवन में आयोजित 'एट होम' कार्यक्रम में गेड़ी नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी थी। इन प्रतिष्ठित राष्ट्रीय आयोजनों में छत्तीसगढ़ की लोककला और सांस्कृतिक परंपराओं का प्रदर्शन कर दल ने प्रदेश को गौरवान्वित किया। राज्यपाल श्री डेका ने श्री गढ़ेवाल एवं उनकी टीम के प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना की। उन्होंने कहा कि लोकनृत्य हमारी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के महत्वपूर्ण अंग हैं। ऐसे कलाकार अपनी प्रस्तुतियों के माध्यम से प्रदेश की लोककला और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।



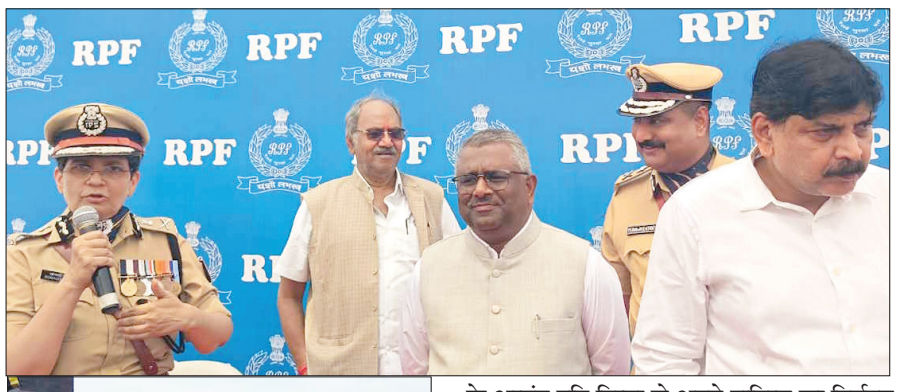
लड़कियों के बीच मारपीट

रायपुर। राजधानी रायपुर से एक वीडयो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें लड़कियों के बीच जमकर मारपीट हो रही है। वायरल वीडियो रामनगर गुढ़ियारी इलाके का बताया जा रहा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह से लड़कियां आपस में लड़ती हुई नजर आ रही है और एक-दूसरे का बाल खींचते हुए दिख रही है। इस दौरान आसपास लोगों की भारी भीड़ जमा है, जिनमें से कुछ लोग उन्हें छुड़ाने की कोशिश कर रहे हैं। राम नगर चौकी पुलिस ने बताया की युवतियों के मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस वीडियो को देखकर गणेश विसर्जन या किसी जुलूस का प्रतीत हो रहा है।

रेलवे सुरक्षा बल का 42वां स्थापना दिवस: उत्कृष्ट सेवा के लिए अधिकारियों-जवानों को किया सम्मानित

रायपुर ■ दैनन्दिनी

रेलवे सुरक्षा बल ने उत्साह और उल्लास के साथ 42वां स्थापना दिवस मनाया. रेलवे वर्कशॉप ग्राउंड में आयोजित कार्यक्रम में उत्कृष्ट सेवा के लिए अधिकारियों और जवानों को 3 राष्ट्रपति पुलिस पदक, 30 पुलिस पदक और एक जीवन रक्षा पदक से सम्मानित किया गया. इस अवसर पर महिला दस्ता, कोरास कमांडो, डॉग स्क्वॉड और सेगवे दस्ते ने प्रदर्शन किया. इसके साथ तकनीकी प्रदर्शनी में ड्रोन निगरानी, ह्यूमनॉइड रोबोट 'अर्जुन' और आधुनिक डिजिटल सुरक्षा प्रणालियों की झलक नजर आई. कार्यक्रम में रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल, रायपुर महापौर मिनल चौबे, RPF की महानिदेशक सोनाली मिश्रा, डीजीपी अरुण देव गौतम, रायपुर कमिश्नर संजीव शुक्ला के अलावा रेलवे और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए. कार्यक्रम के लिए रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे सुरक्षा बल के स्थापना दिवस पर मैं सभी को शुभकामनाएं देता हूं. रेलवे संपत्ति की रक्षा करें. विश्वास बनाए रखना अत्यंत महत्वपूर्ण है. भारतीय रेल जीवन की अभुक्त शक्ति है. रेलवे को सुरक्षित करने में रेलवे सुरक्षा बल की जिम्मेदारी महत्वपूर्ण हो जाती है. महिलाओं बच्चों के अत्यंत प्रति निष्ठा से अपने दायित्व का निर्वहन करते रहेंगे. हम इसी सेवा भाव की कर्तव्य मान कर चलेंगे. इसमें आपकी भूमिका महत्वपूर्ण है. रेलवे का अनुशासन ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है. सर्वोच्च बलिदान देने वाले जवानों को मै नमन करता हूं. पदक विजेताओं को बधाई देता हूं. इस अवसर पर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ में RPF को कठिन परिस्थितियों में काम करना पड़ा है. यहां बम ब्लास्ट होता था, पटरिया उखाड़ ली जाती थी. ऐसे समय में यहां कार्यक्रम हुआ है. जब यहां से नक्सल समाप्त हो चुका है. आज हमने यहां बल का प्रदर्शन देखा है. जोन और आईटी का उपयोग करके यहां पर यात्रियों को सुविधा उपलब्ध कराने काम कर रहा है. रेल मंत्री ने पूरी फोर्स को पूरा सपोर्ट किया है. हमारे देश में सबसे ज्यादा ट्रैवल करते हैं. महिलाएं लोकल ट्रेन में यात्रा ज्यादा से ज्यादा करें. उसके लिए RPF काम कर रहा है.रेलवे महानिदेशक RPF सोनाली मिश्रा ने कहा कि जहां भी हमारी आश्यकता है, वहां विशेष रूप से काम करेंगे. अभी नए अभियान नशे को लेकर प्रधानमंत्री और गृह मंत्री ने शुरू किया है. टारगेट रखा है, उसमें हम हर प्रकार से सहयोग कर रहे हैं. रेल मंत्री ने मेसेज में बताया है. कमजोर वर्ग, महिलाएं-बच्चे की सुरक्षा के लिए कई कदम उठाए जा रहे हैं. मेरा कैडर एमपी हैं, लेकिन मैने शुरुवात बिलासपुर से की है. आज बहुत खुशी हुई है. ट्रेनों में गांजा सप्लाई पर कहा सोनाली मिश्रा ने कहा कि ज्वाइंट ऑपरेशन चल रहा है. हम लोग गारमेंट के सहयोग से काम कर रहे हैं. RPF और GRPF के साथ स्टेट पुलिस भी काम कर रही है. हमारा इसमें अरेस्ट भी बड़ी संख्या में बढ़ा है. हमारा जो टारगेट रखा गया है, उसमें भी हम काम करेंगे. हमने SOP नए बनाए हैं. ट्रैफिकर्स भी अपना मॉडल बदल रहे हैं. आने वाले समय में बेहतर कार्रवाई होगी.





स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **ब्रजेश शुक्ला** द्वारा खसरा नं. 317/4, सालासर ग्रीन्स के पीछे, सरोना रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित एवं दैनंदिनी प्रिन्टर्स, सरोना रायपुर से मुद्रित। **संपादक- ब्रजेश शुक्ला,** RNI-CHHHIN/2010/34274, फोन-0771-4059450, ई-मेल-mail2dainandini@gmail.com